डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -09 अंक -81 | प्रयागराज, शुक्रवार 02 मई,2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

खेल:पाकिस्तान के लिए होगी बड़ी राहत,डब्ल्यूटीसी फाइनल...

सिनेमा:अजय देवगन नहीं होते तो काजोल...

संक्षिप्त समाचार

कोल इंडिया की बिक्री पेशकश संस्थागत निवेशकों के हिस्से को अधिक अभिदान

नयी दिल्ली। कोल इंडिया (सीआईएल) में सरकार की तीन प्रतिशत तक हिस्सेदारी बिक्री के लिए लाई गई बिक्री पेशकश (ओएफएस) में संस्थागत निवेशकों के हिस्से को बृहस्पतिवार दोपहर तक निर्धारित से अधिक अभिदान मिल गया है। दोपहर 1:20 बजे तक संस्थागत निवेशकों के लिए रखे गए कुल 8.31 करोड़ शेयरों की पेशकश पर 8.74 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां मिली थीं। बोलियां बाजार बंद होने तक जारी रहेंगी। दो दिन की बिक्री पेशकश में सरकार सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला कंपनी में अपनी तीन प्रतिशत हिस्सेदारी या 18.48 करोड़ शेयर 225 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर बेच रही है। इसमें अधिक अभिदान की स्थिति में 1.5 प्रतिशत का ग्रीन-शू विकल्प भी है। खुदरा निवेशकों के लिए बोलियां शुक्रवार को खुलेंगी। बीएसई में कोल इंडिया का शेयर 4.81 प्रतिशत के नुकसान से 229.60 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

वायुसेना का प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त पायलट सुरक्षित

चामराजनगर। भारतीय वायु सेना का एक किरन प्रशिक्षण विमान चामराजनगर जिले के एक गांव में खुले मैदान में बृहस्पतिवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हालांकि विमान में सवार दोनों पायलट दुर्घटना से पहले सुरक्षित तरीके से विमान से कूद गए। प्रशिक्षण विमान ने बेंगलुरु में वायु सेना अड्डे से उड़ान भरी थी और यह सुबह के वक्त भोगापुर गांव में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिले के अधिकारियों ने बताया कि तेजपाल और भूमिका को मामूली चोटें आई हैं। इसमें किसी की जान नहीं गई। वायुसेना के अनुसार पायलट नियमित अभ्यास पर थे और तभी यह दुर्घटना हुई। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए गए हैं। वायु सेना ने ट्वीट किया,'' वायुसेना का किरन प्रशिक्षण विमान कर्नाटक के चामराजनगर के निकट आज दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वह नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर था। चालक दल के दोनों सदस्य सुरक्षित बाहर निकल गए। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए गए हैं।'

नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के हैदराबाद हाउस में नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' के साथ द्विपक्षीय बैठक की

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज राष्ट्रीय राजधानी के हैदराबाद हाउस में अपने नेपाली समकक्ष पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' से मुलाकात की। दोनों पीएम ऊर्जा, व्यापार, कनेक्टिविटी और अन्य क्षेत्रों में भारत-नेपाल सहयोग को बढ़ावा देने के बारे में बात करेंगे। 'प्रचंड' भारत की चार दिवसीय यात्रा पर बुधवार दोपहर दिल्ली पहुंचे, दिसंबर 2022 में शीर्ष पद संभालने के बाद विदेश में उनकी पहली द्विपक्षीय यात्रा। क्षेत्र में अपने समग्र रणनीतिक हितों के संदर्भ में नेपाल भारत के लिए महत्वपूर्ण है, और दोनों देशों के नेताओं ने अक्सर सदियों पुराने 'रोटी बेटी' के रिश्ते को नोट किया है।

मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने समाचार एजेंसी को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रचंड के बीच चर्चा का फोकस भारत और नेपाल के बीच सभ्यतागत संबंधों को बदलने के लिए कनेक्टिविटी, अर्थव्यवस्था, ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने पर होने की उम्मीद है।

उन्होंने आगे कहा कि शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक नई पहल के माध्यम से बिजली क्षेत्र में सहयोग को व्यापक और गहरा करना होगा।

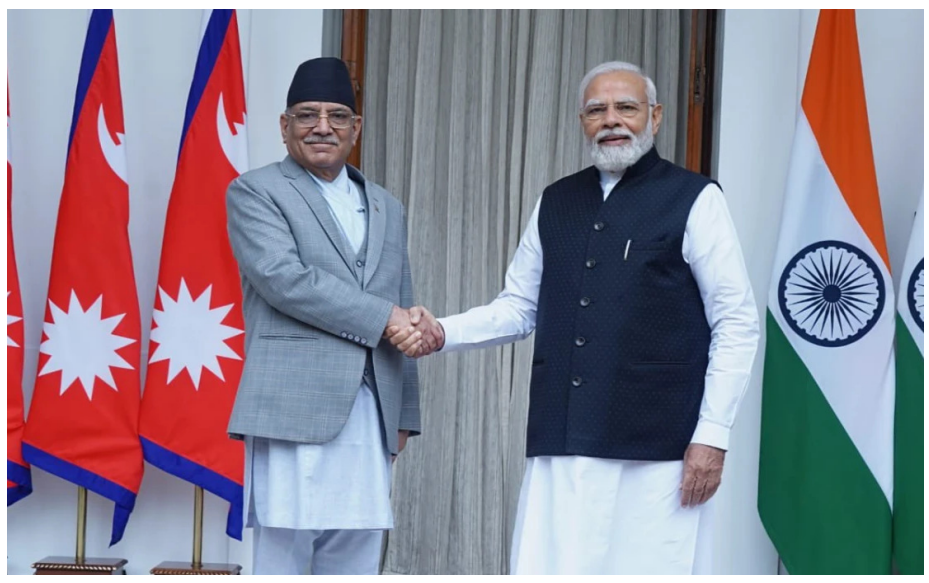

पिछले साल अप्रैल के बिजली क्षेत्र में सहयोग पर भारत-नेपाल के संयुक्त विजन स्टेटमेंट को एक मील का पत्थर माना जाता है और नेपाल भारत को 450 मेगावाट से अधिक बिजली का निर्यात करता रहा है।

दोनों प्रधानमंत्रियों के भारत-नेपाल विकास साझेदारी की भी समीक्षा करने की संभावना है जो द्विपक्षीय संबंधों का प्रमुख स्तंभ है। ऊपर उद्धृत लोगों में से एक ने कहा, दोनों देशों के बीच वित्तीय संपर्क को मजबूत करना एक चर्चा का विषय होगा। दोनों प्रधानमंत्री गुरुवार को बहराइच में भारत-नेपाल सीमा पर उत्तर प्रदेश के पहले लैंड पोर्ट का वर्चुअली उद्घाटन करेंगे। लैंड पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा रूपईडीहा लैंड पोर्ट में सलाहकार के रूप में तैनात ए पी सिंह ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नई दिल्ली से सुबह 11.30 बजे इस सुविधा का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों ने उद्घाटन की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। सिंह ने कहा, 'लैंड पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, जो केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत आता है, ने कार्गो और यात्री वाहनों की सुचारू आवाजाही के लिए देश की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर एकीकृत चेक पोस्ट स्थापित किए हैं।' उन्होंने कहा कि सीमा के दोनों ओर इन केंद्रों पर दोनों देशों के सीमा शुल्क, आव्रजन और अन्य सुविधाओं को एक छत के नीचे लाकर कार्गो ट्रकों की सीमा पार आवाजाही की सुविधा दी जा रही है। सिंह ने कहा कि 115 एकड़ भूमि पर बनने वाले रूपईडीहा लैंड पोर्ट के निर्माण पर करीब 200 करोड़ रुपये की लागत आई है। नेपाल के प्रधानमंत्री का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से भी मिलने का कार्यक्रम है। नेपाल को नई दिल्ली के लिए एक महत्वपूर्ण देश माना जाता है क्योंकि यह पांच भारतीय राज्यों - सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के साथ 1,850 किमी से अधिक की सीमा साझा करता है। लैंड-लॉक राष्ट्र माल और सेवाओं के परिवहन के लिए भारत पर बहुत अधिक निर्भर करता है। नेपाल की समुद्र तक पहुंच भारत के माध्यम से है, और यह अपनी आवश्यकताओं का एक प्रमुख अनुपात भारत से और उसके माध्यम से आयात करता है। 1950 की भारत-नेपाल शांति और मित्रता संधि दोनों देशों के बीच विशेष संबंधों का आधार बनाती है। शुक्रवार सुबह नेपाल के प्रधानमंत्री इंदौर जाएंगे और अगले दिन काठमांडू के लिए रवाना होंगे।

सीएम भगवंत मान ने केंद्र की जेड प्लस सुरक्षा लेने से किया इनकार कहा- पंजाब पुलिस पर है भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की सुरक्षा टीम ने केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात करके केंद्र द्वारा उन्हें दी गई जेड प्लस सुरक्षा कवर को यह कहते हुए अस्वीकार कर

दिया है कि आप नेता को राज्य पुलिस पर भरोसा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय को लिखे पत्र में मुख्यमंत्री कार्यालय ने पंजाब और दिल्ली की सुरक्षा लेने से यह कहते हुए इनकार कर दिया है कि इन दोनों जगहों पर पंजाब पुलिस की विशेष टीम उनकी सुरक्षा कर रही है। भगवंत मान ने कहा कि अगर पंजाब और दिल्ली में भी मुख्यमंत्री को केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी द्वारा सुरक्षा दी जाती है, तो इससे यह संदेश जाएगा कि उन्हें पंजाब पुलिस पर भरोसा नहीं है। एक अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री यह संदेश नहीं देना चाहते हैं कि उन्हें अपनी ही पुलिस पर भरोसा नहीं है। जेड प्लस सुरक्षा नहीं लेने का फैसला केंद्र द्वारा मान को व्यापक सुरक्षा मुहैया कराने की योजना की घोषणा के कुछ दिन बाद आया है। देश और विदेश में संभावित खतरों को देखते हुए मुख्यमंत्री को जेड प्लस सुरक्षा की पेशकश की गई थी। उन्हें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का वीआईपी सुरक्षा दस्ता मुहैया कराया जाना था।

'हैलो, मिस्टर मोदी': अपना फोन निकाल अमेरिका में बोले राहुल- लगता है मेरा फोन टैप किया जा रहा है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि जब उन्होंने राजनीति में प्रवेश किया तो उन्होंने नहीं सोचा था कि

लोकसभा से उनकी अयोग्यता संभव है। इसके साथ ही राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि लोगों की सेवा करने का एक बड़ा अवसर उन्हें मिला है। अपने अमेरिकी दौरे के दौरान कैलिफोर्निया में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी कैंपस में छात्रों को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि मुझे लगता है कि नाटक वास्तव में लगभग छह महीने पहले शुरू हुआ था। हम संघर्ष कर रहे थे। भारत में पूरा विपक्ष विशाल वित्तीय प्रभुत्व, संस्थागत कब्जे के खिलाफ संघर्ष कर रहा है। हम अपने देश में लोकतांत्रिक लड़ाई लड़ने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह तब से शुरू हुआ जब उन्होंने अपनी महत्वाकांक्षी राष्ट्रव्यापी 'भारत जोड़ो यात्रा' शुरू करने का फैसला किया।

कांग्रेस नेता को इस साल की शुरुआत में संसद सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था। उन्हें सूरत की एक अदालत ने 2019 में उनकी 'मोदी उपनाम' टिप्पणी पर आपराधिक मानहानि के मामले में दोषी ठहराया था। उन्होंने कहा कि मैं बहुत स्पष्ट हूं, हमारी लड़ाई हमारी लड़ाई है। लेकिन यहां भारत के युवा छात्रों का एक समूह है। मैं उनके साथ संबंध बनाना चाहता हूं और उनसे बात करना चाहता हूं कि ऐसा करना मेरा अधिकार है।

बाद में सिलिकॉन वैली स्थित स्टार्टअप उद्यमियों के एक समूह के साथ बात करते हुए कांग्रेस नेता ने डेटा गोपनीयता के मुद्दे पर भी चर्चा की। इस दौरान उन्होंने एक बार फिर फोन टैपिंग का मुद्दा उठाते हुए भारत सरकार पर निशाना साधा है। राहुल ने पेगागस और इस तरह की अन्य तकनीकों के मुद्दे पर बात करते हुए कहा कि उन्हें पता था कि उनका फोन टैप किया जा रहा है। लेकिन वे इससे परेशान नहीं हैं। इतना ही नहीं राहुल अपना फोन निकाला और मजाक में कहा- हैलो! मिस्टर मोदी।

डीएमके विपक्ष को एकजुट करने के लिए सभी कदम उठाएगा : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष को एकजुट करने के लिए द्रविड़ मुनेत्र कषगम सभी कदम उठएगी। स्टालिन ने बुधवार रात जापान से यहां पहुंचने पर संवाददाताओं से बातचीत में केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई वाली सरकार पर आरोप लगाया कि वह ''विपक्षी दलों को डराने'' के लिए आयकर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। आम आदमी पार्टी के नेता तथा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ बृहस्पतिवार को यहां मुलाकात तथा यह पूछे जाने पर कि क्या यह ''विपक्ष को एकजुट करने'' का हिस्सा थी उन्होंने कहा, ''वह प्रयास पहले से ही जारी है।'' उन्होंने कहा,'' वह नया नहीं है। द्रमुक इसमें पूरे मन से शामिल होगी।

'मोदी के विकास के खिलाफ राहुल का नफरत का बाजार', भाजपा बोली-विदेश में देश को बदनाम कर रहे कांग्रेस नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेरिका दौरे पर हैं। अपने दौरे के दौरान उन्होंने भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। अब इसी को लेकर भाजपा को ओर से पलटवार किया जा रहा है। भाजपा ने साफ तौर पर कहा कि राहुल गांधी नफरत का बाजार फैला रहे हैं। राहुल गांधी के आरोपों पर जवाब देने के लिए भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने मीडिया को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राहुल पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा।

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल दुनिया में नफरत का बाजार फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास के खिलाफ राहुल का नफरत का बाजार है। वद विदेश में देश को बदनाम करते हैं। राहुल का मोहब्बत का पैगाम बहाना है। भाजपा नेता ने दावा किया कि मोदी ने नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। विपक्षी एकजुटता पर जोर देते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यदि विपक्ष ''ठीक से एकजुट'' हो जाए तो केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराया जा सकता है। अपने संबोधन में गांधी ने भारत में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर लोगों को ''धमकाने'' तथा देश की एजेंसियों का ''दुरुपयोग'' करने का आरोप भी लगाया। राहुल ने कहा था कि कुछ लोग भारत में ऐसे हैं जिनको लगता है कि वो सब कुछ जानते हैं, और वह भगवान से ज्यादा जानते हैं। राहुल ने तो यह भी कह दिया कि पीएम मोदी भगवान के साथ बैठ कर उनको समझा सकते हैं कि आखिर ब्रम्हांड कैसे काम करता है। उन्होंने केंद्र सरकार पर विपक्षी दलों को डराने-धमकाने का भी आरोप लगाया।

'उम्मीद है एफपीआई पर सेबी का प्रस्ताव आंखों में धूल झोंकने वाला कदम नहीं होगा'

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने ऊंचे जोखिम वाले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की ओर से अतिरिक्त खुलासे को अनिवार्य करने संबंधी भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय

बोर्ड (सेबी) के प्रस्ताव के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को दावा किया कि यह कदम उन नियमों को सख्त बनाने के लिए उठाया गया है, जिन्हें 2018 में कमजोर करके अडाणी समूह को फायदा पहुंचाया गया था। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि उम्मीद की जाती है कि सेबी का यह नया कदम आंखों में धूल झोंकने के लिए नहीं है और पहले के निवेश भी इसके दायरे में आएंगे।

उल्लेखनीय है कि सेबी ने ऊंचे जोखिम वाले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की ओर से अतिरिक्त खुलासे को अनिवार्य करने का प्रस्ताव किया है। इससे न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) की जरूरत को लेकर किसी तरह की कोताही से बचा जा सकेगा। रमेश ने ट्वीट किया, 'कल आए सेबी के परामर्श पत्र में उन नियमों को सख्त बनाने का प्रस्ताव दिया गया है, जिन्हें यहसंस्था 2018 में कमजोर करने को विवश हो गई थी, ताकिविदेशी निवेश कंपनियां अपने स्वामित्व का पूरा ब्योरा दिए बिना ही भारतीय कंपनियों में निवेश कर सकें। यह सब 'मोदानी' को फायदा पहुंचाने के लिए किया गया था।'

उन्होंने कहा, 'हम आशा करते हैं कि यह परामर्श पत्र आंखों में धूल झोंकने वाला कोई कदम नहीं होगा और इसके दायरे में पहले के निवेश भी आएंगे। ऐसा लगता है कि यह उच्चतम न्यायालय की विशेषज्ञ समिति के निष्कर्ष की प्रतिक्रिया में उठाया गया है।' कांग्रेस महासचिव ने कहा, 'यह हमारी प्रश्न श्रृंखला 'हम अडाणी के हैं कौन' की भी पुष्टि करता है, जिसके तहत हमने प्रधानमंत्री से 100 सवाल पूछे थे। हालांकि, वह अभी भी पूरी तरह चुप्पी साधे हुए हैं।' अमेरिकी संस्था 'हिंडनबर्ग रिसर्च' की कुछ महीने पहले आई रिपोर्ट में अडाणी समूह पर वित्तीय अनियमितता के आरोप लगाए गए थे। इसके बाद से कांग्रेस लगातार इस मामले को उठाते हुए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से इसकी जांच कराने की मांग कर रही है।

खुदकुशी करने वाले आईआईटीबी छात्र सोलंकी ने मां को जातिगत भेदभाव की जानकारी दी थी:आरोपपत्र

मुंबई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई (आईआईटीबी) के छात्र दर्शन सोलंकी ने अपनी मां से कहा था कि संस्थान के परिसर में जाति आधारित भेदभाव होता है। सोलंकी ने कथित तौर पर खुदकुशी कर ली थी। यह बात पुलिस द्वारा इस मामले में दायर आरोपपत्र में कही गई है। आरोपपत्र में कहा गया है कि सोलंकी ने अपनी मां से टेलीफोन पर बातचीत के दौरान यह भी कहा कि जब उसकी जाति के बारे में पता चला तो साथी छात्रों का व्यवहार बदल गया। सोलंकी की मां का बयान अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार रोकथाम) अधिनियम के तहत एक विशेष अदालत के समक्ष मंगलवार को शहर की पुलिस द्वारा दायर आरोपपत्र का हिस्सा है। आरोपपत्र में साथी छात्र अरमान खत्री का नाम है, जो कथित रूप से आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार होने के बाद जमानत पर है।

'मानहानि के लिए अधिकतम सजा पाने वाला पहला व्यक्ति मैं हूं'

सांसद के रूप में अयोग्य घोषित होने पर आया राहुल गांधी बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय की यात्रा के दौरान संसद सदस्य के रूप में अपने परिचय पर राहुल गांधी ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि जब मैं 2004 में राजनीति में शामिल हुआ था, तो मैंने कभी कल्पना की थी कि देश में अब क्या हो रहा है। मानहानि के लिए अधिकतम सजा पाने वाला मैं पहला व्यक्ति हो सकता हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा कुछ संभव है।'

मार्च में राहुल गांधी को सूरत ट्रायल कोर्ट के आदेश के अनुपालन में वायनाड लोकसभा सीट से एक सांसद के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था, कोर्ट ने उन्हें एक आपराधिक मानहानि मामले में दोषी ठहराया था और उन्हें दो साल की सजा सुनाई थी। मामले में उन्हें जमानत मिल गई थी लेकिन उनकी संसद सदस्यता चली गयी थी। अयोग्यता चार बार के सांसद 52 वर्षीय गांधी को आठ साल तक चुनाव लड़ने से रोक देगी, जब तक कि कोई उच्च न्यायालय उनकी सजा और सजा पर रोक नहीं लगाता। इस कार्य ने कांग्रेस के साथ भाजपा के टकराव को बढ़ा दिया। हालाँकि, गांधी के वंशज ने स्टैनफोर्ड में सभा को

बताया कि सांसद के रूप में उनकी बर्खास्तगी ने उन्हें संसद में बैठने की तुलना में 'बड़ा अवसर' प्रदान किया है, और भारत जोड़ो यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, 'विपक्ष भारत में संघर्ष कर रहा है। बीजेपी ने संस्थानों पर कब्जा कर लिया है। हम इसे लोकतांत्रिक तरीके से लड़ रहे हैं। जब हमने देखा कि कोई भी संस्थान हमारी मदद नहीं कर रहा है, तो हम सड़कों पर उतर आए और इसलिए, भारत जोड़ो यात्रा हुई।' यह पूछे जाने पर कि क्या वह घरेलू हालात से निपटने के लिए विदेशी मदद मांग रहे हैं, उन्होंने तुरंत टाल दिया। गांधी ने जोर देकर कहा, 'मैं किसी से समर्थन नहीं मांग रहा हूं। मैं स्पष्ट हूं कि हमारी लड़ाई हमारी लड़ाई है, लेकिन हां, यहां भारत के युवा छात्र हैं। और मैं उनसे संवाद करना चाहता हूं और ऐसा करना मेरा अधिकार है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि पीएम को भी लोगों के साथ बातचीत करनी चाहिए और 'कुछ कठिन सवालों का जवाब देना चाहिए'। राहुल गांधी का प्रधानमंत्री पर कटाक्ष एक दिन बाद आया जब उन्होंने कहा कि भारत ऐसे लोगों द्वारा चलाया जा रहा है जो सोचते हैं कि वे भगवान से अधिक जानते हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'ऐसा ही एक नमूना' हैं।

कांग्रेस नेता ने चुटकी लेते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि अगर आप मोदी जी को भगवान के बगल में बिठाते हैं, तो वह भगवान को समझाना शुरू कर देंगे कि ब्रह्मांड कैसे काम करता है। और भगवान भ्रमित हो जाएंगे कि मैंने क्या बनाया है।' गांधी प्रधानमंत्री के खिलाफ अपनी टिप्पणी को लेकर भाजपा के निशाने पर आ गए।राहुल गांधी तीन शहरों के दौरे पर कैलिफोर्निया, अमेरिका में हैं, जिसके दौरान वह भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत करेंगे और अमेरिकी सांसदों से मुलाकात करेंगे। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख पित्रोदा ने कहा था कि गांधी की यात्रा का उद्देश्य साझा मूल्यों को बढ़ावा देना और 'वास्तविक लोकतंत्र' की दृष्टि है।

भदोही पुलिस ने विजय मिश्रा की संपत्ति पर चस्पा किया नोटिस, करोड़ों रुपये आंकी जा रही कीमत!

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज।भदोही ज्ञानपुर के पूर्व विधायक विजय मिश्रा के भतीजे मनीष मिश्रा के आलीशान मकान पर गुरुवार को गैंगस्टर एक्ट के तहत भदोही पुलिस ने कुर्की करने का नोटिस चस्पा किया हैं। प्रयागराज के अल्लापुर में बने इस मकान की कीमत करोड़ो रूपये आंकी जा रही है। बता दें कि यह प्रापर्टी विजय मिश्रा की बेनामी संपत्ति में से एक है। जिसे विजय मिश्रा ने मनीष मिश्रा के नाम पर खरीदा गया था। गुरुवार को भदोही पुलिस ने इस आलीशान मकान के बाहर कुर्की का नोटिस चस्पा कर दिया है। घर मे रहने वाले लोगो को मकान खाली करने का भी निर्देश दिया गया है। मकान खाली होने के बाद पुलिस सरकारी ठप्पा लगाते हुए ताला बंद करेगी। मकान को सील करेगी। ज्ञात हो कि विधायक विजय मिश्रा कई साल से जेल में बंद है। विजय मिश्रा पर उनके ही रिस्तेदार ने धोखाधड़ी और धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया था। इस वक्त विजय मिश्रा आगरा जेल में बंद है।

धन लुटाने के बाद बेचारे पहुंचे पीजीआई पेड़ से गिरे खजूर पे अटके वाली बात चरितार्थ हो गयी फिर क्या हुआ मरीज़ के साथ!

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज।धन लुटाने के बाद बेचारे पहुंचे पीजीआई पेड़ से गिरे खजूर पे अटके वाली बात चरितार्थ हो गयी फिर क्या हुआ मरीज़ के साथ पीजीआई अस्पताल में आप खुद ही देखिए मरे हुये मरीज़ से हो रही है धन की उगाही लखनऊ पीजीआई अस्पताल का वायरल वीडियो बच्ची की मौत के बाद भी अस्पताल के लोग कर रहे धन उगाही का धंधा वेंटिलेटर के नाम पर परिजनों से लगातार ले रहे थे पैसे मासूम बच्ची के पिता प्रयागराज के रहने वाले हैं अब आप खुद सोचिये की आखिर अब मरीज़ को लेकर कोई जाये तो जाये कहाँ जबकि डिप्टी सीएम लगातार छापेमारी कर रहे हैं पर अफसरशाही मेडिकल प्रशासन उनके किये कराये पर लगातार पानी फेरने का काम कर रहें हैं प्रयागराज के सीएमओ डाक्टर अंशु पांडे तो ऐसी चुप्पी साध के बैठे हैं कि मरीजों और जनता की तो छोड़ दीजिए सीयूजी नंबर होने के बावजूद नहीं उठाते हैं पत्रकारों के फ़ोन नहीं मुहैया कराते हैं किसी भी प्रकार की जानकारी और उनकी नाक के नीचे चल रहे हैं तमाम झोलाछाप हॉस्पिटल ना डिग्री न डिप्लोमा धड़ल्ले से हो रही है हर गली मोहल्ले में अस्पताल के नाम पर धन उगाही और मरीज़ों की जान से खिलवाड़ आखिर जवाब कौन देगा।

ज्ञानवापी मस्जिद मामले में मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज : ज्ञानवापी मामले में बुधवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी की तरफ से दाखिल याचिका को खारिज कर दिया है। ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के अंदर श्रृंगार गौरी की नियमित पूजा की मांग के खिलाफ दाखिल मस्जिद कमेटी की याचिका को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रद्द किया है।इसके साथ ही अदालत ने हिंदू पक्ष की याचिका को सुनने योग्य माना है।

मार्ग दुर्घटना में दो घायल

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। बीती रात फूलपुर के एजी मार्ग पर बाइक द्वारा जाते समय अतर सिंह पुत्र चौहारी सिंह निवासी अगरा पट्टी एवं दूसरी घटना में विमलेश कुमार उम्र 22 वर्ष पुत्र प्रभु लाल निवासी एलमापुर अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हो गए। दोनों को 108 एंबुलेंस से सीएचसी फूलपुर लाया गया और जहां से प्राथमिक उपचार के बाद घर वापस भेज दिया गया।

तालाब में ही बना दिया कमरा

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। तहसील फूलपुर के मुबारकपुर रोड स्थित कुतुबपुर अतरौरा ग्राम सभा की जमीन पर बने तालाब में खाली जगह देख गांव के ही व्यक्ति द्वारा पहले गुमटी रखकर पान की दुकान चालू किया। अब उसी से सटाकर पक्का आवास बना लिया किसी ने शिकायत लेखपाल से किया तो आकर मना कर दिया था। परंतु सुविधा शुल्क का जमाना बीती रात से पुनः निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। तहसील के अफसरान की निगाह शायद यहां तक नहीं पहुंची।

साहित्यिक सांस्कृतिक संस्था द्वारा नवनिर्वाचित महापौर गणेश केसरवानी का हुआ अभिनंदन समारोह

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। सामाजिक, साहित्य क्षेत्र में सक्रिय रहकर

कार्य करने वाली हंस वाहिनी सामाजिक साहित्यिक सांस्कृतिक संस्था द्वारा बुधवार को कालिंदीपुरम में नवनिर्वाचित महापौर श्री गणेश केसरवानी का अभिनंदन समारोह एवं सांस्कृतिक संध्या भारतीय जनता पार्टी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की क्षेत्रीय सह संयोजिक डॉ आभा मधुर एवं अंतरराष्ट्रीय कवि श्री शैलेंद्र मधुर द्वारा आयोजित की गई, कार्यक्रम के शुभारंभ में प्रयागराज के जाने-माने गायक प्रियांशु श्रीवास्तव एवं आशीष शर्मा द्वारा भजन प्रस्तुत किए गए उसके बाद कालिंदीपुरम क्षेत्र वासियों द्वारा पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण के द्वारा महापौर का स्वागत किया गया ।महापौर ने क्षेत्रीय जनता को धन्यवाद देते हुए कहा कि इतनी विराट जीत का श्रेय प्रयागराज की जनता को जाता है जिसने मुझ पर इतना विश्वास जताया इस अवसर पर गायक एवं अभिनेता प्रियांशु श्रीवास्तव ने आशीष शर्मा के साथ जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे गीत प्रस्तुत कर वर्ष दो हजार चौबीस में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भी बिगुल बजा कर लोगों में उर्जा भरी। श्री गणेश केसरवानी द्वारा गायक प्रियांशु श्रीवास्तव ,आशीष शर्मा तथा आकाशवाणी की उद्घोषिका श्वेता श्रीवास्तव को स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया ।

कार्यक्रम के दौरान अंतरराष्ट्रीय कवि श्री शैलेंद्र मधुर ने अपनी कविताओं से महापौर का अभिनंदन किया तथा क्षेत्रीय बच्चों ने भी स्वागत गीत पढ़कर महापौर का स्वागत किया, कार्यक्रम को आयोजित करने में मुख्य रुप से श्री के के पांडे ,श्याम जी शुक्ला, अनीता पांडे, अनुकृति श्रीवास्तव आभा श्रीवास्तव एवं शैलेंद्र मधुर का योगदान रहा।

डीजीपी/आईपीएस विजय कुमार ने पुलिस हेड क्वार्टर पहुंचकर कार्यभार संभाला

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज।यूपी के नए कार्यवाहक डीजीपी/आईपीएस विजय कुमार ने पुलिस हेड क्वार्टर पहुंचकर कार्यभार संभाला। कार्यवाहक डीजीपी रहे आरके विश्वकर्मा ने कार्यभार विजय कुमार को सौंपा। इसके बाद नए

कार्यवाहक उइ विजय कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। उन्होंने कहा, ''यूपी की कानून व्यवस्था को पहले की तरह बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है। यूपी में कोई सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ है। अराजकता पर जीरो टॉलरेंस नीति पर काम किया जाएगा। यातायात से जुड़ी समस्याओं के समाधान, महिला सशक्तिकरण और पुलिस महकमे के आधुनिकीकरण पर जोर दिया जाएगा।'' यह लगातार तीसरी बार है जब प्रदेश को कार्यवाहक डीजीपी मिला है। 1988 बैच के विजय कुमार वर्तमान में उउ विजिलेंस, डीजी सीबीसीआईडी के पद पर हैं। इन दोनों पदों के साथ ही वह डीजीपी का कार्यभार भी संभालेंगे। विजय कुमार जनवरी, 2024 में रिटायर होंगे। चर्चा है कि इसके बाद परमानेंट डीजीपी के नाम पर विचार होगा। वहीं, कार्यवाहक डीजीपी आरके विश्वकर्मा का कार्यकाल आज पूरा हो गया। मई, 2022 में डीजीपी मुकुल गोयल को हटाया गया था। इसके बाद यूपी को दो कार्यवाहक डीजीपी मिले। लखनऊ में तिलक मार्ग पर डीजीपी आवास अभी भी खाली पड़ा है।

उमस और गर्मी से लोग परेशान

प्रयागराज। पिछले सप्ताह आंधी और बारिश के बाद एक बार फिर से सूरज के तेवर बदलने लगे हैं। तीखी धूप की वजह से तापमान उछाल की ओर है। गुरुवार को तेज धूप की वजह से सुबह नौ बजे तक अधिकतम पारा 37 डिग्री से. और 11 बजे तक 38 डिग्री से. तक पहुंच गया। इसकी वजह से लोग घर से लेकर बाहर तक उमस और गर्मी का अहसास करते रहे। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दो से तीन दिनों के भीतर आंशिक रूप से बादल छाए रहने के साथ कहीं-कहीं छिटपुट बारिश हो सकती है, लेकिन इससे लोगों को गर्मी और उमस से खास राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। घूरपुर मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार आने वाले सात जून तक अधिकतम पारा 42 डिग्री से. के आसपास बना रहेगा।

धूमनगंज में रिटायर्ड फौजी की हत्या, बदमाशों ने लाठी डंडों से पीट पीटकर मारा

आधुनिक समचार सेवा

प्रयागराजः धूमनगंज थाना क्षेत्र के अबूबकरपुर में रिटायर्ड सैनिक की लाठी डंडों व ईंट से प्रहार कर हत्या कर दी गई। इससे इलाके में सनसनी फैल गई है। मौके पर पुलिस पहुंच गई है और आरोपियों की खोजबीन में जुट गई है।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। धूमनगंज थाना क्षेत्र के मधुबन विहार कॉलोनी के रहने वाले धर्मेंद्र सिंह (45) सेना से रिटायर हैं। बुधवार रात करीब साढ़े ग्यारह बजे उनकी हत्या कर दी गई। कुछ देर पहले ही उनका गाड़ी को ओवरटेक करने को लेकर कुछ लोगो से विवाद हुआ था। इसके बाद वह आगे बढ़े तो अबूबकरपुर के पास करीब आधा दर्जन बदमाशों ने लाठी, डंडे और ईंट-पत्थर से प्रहार कर अधमरा कर दिया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने धर्मेंद्र सिंह को उपचार के लिए एसआरएन अस्पताल भेजवाया जहां इनकी मौत हो गई। घटना को लेकर इलाके में तनाव है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

सीधे प्रवेश
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
15% Fee Concession
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
पहले आओ पहले पाओ
15% Fee Concession

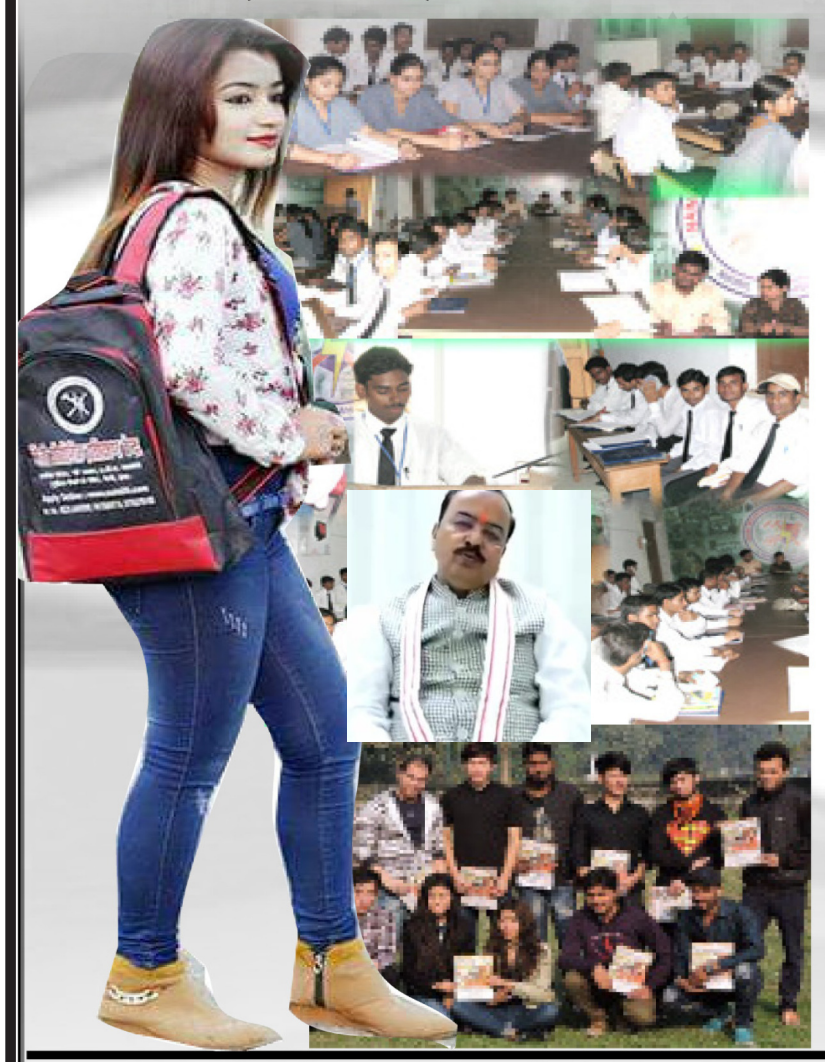

- कम्प्यूटर हार्डवेयर
- डाटा इंट्री ऑपरेटर
- फायर सेफ्टी
- कम्प्यूटर ऑपरेटर (कोपा)
- कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग
- इलेक्ट्रीशिन
- सीएनसी प्रोग्रामिंग
- इलेक्ट्रिक मैकेनिक
- बेसिक कम्प्यूटिंग
- सीसीए
- वेल्डर
- फिटर
- रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
- सिक्योरिटी सर्विस

Apply Online: www.nainiiti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं.:
8081180306,9415608710,8103021873
एमटेक कैम्पस, 'बी' ब्लाक, ए.डी.ए. कालोनी (पुलिस चौकी के पीछे), नैनी, प्रयागराज।
C-41 औद्योगिक थाने के पीछे औद्योगिक क्षेत्र UPSIDC नैनी, प्रयागराज।

अज्ञात वाहन से कुचलकर पति पत्नी बच्चे की हुई मौत

आधुनिक समाचार सेवा

डाला सोनभद्र। हाथीनाला थाना क्षेत्र अंतर्गत कुश हवा मोड़ के पास से बाजार करके घर जा रहे हैं बाइक सवारों को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर बाइक के उड़े परखच्चे बाइक सवार पति पत्नी व 4 साल का बेटा एवं मां के गर्भ में पल रहे बच्चे की हुई मौत घटना हाथीनाला थाना क्षेत्र के कुशहवा रोड जाने वाले मोड़ के पास की जिसे लोग दुद्धी से 10 किलोमीटर दूर उक्त स्थान को बताते घंटों बाद राहगीर ने सभी मृतकों को देख हाथीनाला पुलिस को सूचना दी सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष हाथीनाला श्याम बिहारी अपने अधीनस्थ पुलिसकर्मियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर सभी मृतक शवों को कब्जे में ले कर पहचान कराया पहचान कराने के उपरांत शव को पीएम हेतु भेजवाया सभी मृतक साउडीह गांव हाथीनाला के रहने वाले हैं।पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गई।सड़क दुर्घटना में एक परिवार के 3 लोगों की हुई मौत अज्ञात वाहन ने बाइक सवारो को मारी जोरदार टक्कर मौके पर बाइक चालक व पीछे बैठे पत्नी व 4 साल के बेटे की हुई मौत हाथीनाला पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजते हुए जांच पड़ताल में जुट गए।

मनीष लवानिया को जूनियर इन्टलीजेन्स आफिसर के पद पर हुआं चयन

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा स्थित जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (जीएलबीआईटीएम) में बी0 टेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्र रहे मनीष लवानिया ने देश की प्रतिष्ठित सरकारी परीक्षाओं में से एक एसएससी सीजीएल में शानदार प्रदर्शन करते हुए पास किया है। जिसमे उन्हें नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (गृह मंत्रालय) में जूनियर इंटेलिजेंस ऑफिसर के रूप में चुना गया है। मनीष लवानिया मूल रूप से मथुरा उत्तर प्रदेश का रहने वाला है उसके पिता एक कॉलिज में क्लर्क के तोर पर कार्यरत हैं। मनीष ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता पिता के साथ साथ जीएल बजाज कॉलिज के प्रबंधन और अपने अध्यापकों को दिया है मनीष ने कहा की मुझे अपनी पढाई करने और करियर बनाने में मेरे अध्यापकों का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन मिला है। जीएल बजाज शिक्षण समूह के वाइस चेयरमैन डॉ0 पंकज अग्रवाल ने इस उपलब्धि के लिए मनीष को हार्दिक बधाई देते हुए उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

8 दिन पहले ईएसआईं हॉस्पिटल से अगवा हुआ था नवजात, पुलिस ने सकुशल किया बरामद, सीपी लक्ष्मी सिंह ने जाना हाल

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 मई को कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) अस्पताल से अगवा हुए नवजात बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया है। बता दें कि बच्चे की बरामदगी में पुलिस की 8 टीमें लगाई गई थी। जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि खोड़ा कॉलोनी की रहने वाली इशरत बीते 25 मई को सेक्टर-24 स्थित ईएसआईसी अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती हुई थी। उन्होंने एक नवजात बच्चे को जन्म दिया। लेकिन सुबह के समय एक महिला उनके बच्चे को अगवा करके अस्पताल से ले गई।

जांच में हुई काफी परेशानी पुलिस की माने तो बच्चे की तलाश में पुलिस की 8 टीमें लगी थी। यहीं नहीं पुलिस ने शहर के विभिन्न चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किया। अस्पताल के सीसीटीवी कैमरा खराब चल रहे थे, जिसकी वजह से पुलिस को जांच में काफी परेशानी हुई। गहन विवेचना के बाद देर रात को पुलिस ने बच्चे को अगवा करने वाली रानी को भंगेल गांव से गिरफ्तार कर उसके पास से बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया है।

मां और परिजन काफी खुश वहीं अब पुलिस ने बच्चे को उसको परिजनों और अस्पताल को सौंप दिया है। बच्चे का डॉक्टरी परीक्षण किया जा रहा है। अगवा बच्चे को पाकर उसकी मां और परिजन खुशी से रो पड़े। वहीं मामले की जांच में पता चला कि आरोपी महिला रानी नोएडा के ईएसआईसी अस्पताल में उपचार करवाने आती थी। उसका पूर्व में 2 बार गर्भपात हो चुका है।

उसके ससुराल के लोग उस पर आरोप लगा रहे थे कि वह उन्हें खानदान का वारिस नहीं दे रही है। महिला के ससुराल पक्ष के लोग उसके पति की दूसरी शादी करने की तैयारी कर रहे थे।आरोपी के पिता ने पुलिस से कहा है कि वह बच्चे को पालने के लिए ले गई थी।

काँग्रेस नेताओ ने मलिकार्जुन खड़गे को दो राज्यो की शानदार जीत की बधाई दी

आधुनिक समाचार सेवा

नोएड़ा। काँग्रेस के नेता उत्तर प्रदेश काँग्रेस कमेटी के पूर्व सदस्य सतेन्द्र शर्मा ने अखिल भारतीय काँग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मलिकार्जुन खड़गे जी से दिल्ली काँग्रेस मुख्यालय में मुलाकात कर दो राज्यो में कर्नाटक एव हिमाचल में कांग्रेस पार्टी की शानदार जीत एव सरकार बनने की गुलदस्ता देकर बधाई एव शुभकामनाएं प्रेषित की,श्री सतेन्द्र शर्मा ने बताया है कि काँग्रेस पार्टी सदैव जनता के लिए सँघर्ष करती है आगमी विधानसभा चुनाव में जनता ने भाजपा को आईना दिखाने का काम किया है भाजपा ने जनता से झूठे वादे किए है अब जनता सब समंझ गई है,वरिष्ठ नेता मुन्ना ओझा ने कहा है कि अब धीरे धीरे राज्यो में कांग्रेस पार्टी मजबूती से अपनी सरकार बनाएगी ओर जनता से किये वादों के साथ देश मे सत्ता काबिज करेगी,राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मलिकार्जुन खड़गे जी ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और कहा मजबूती से काँग्रेस पार्टी के लिए सँघर्ष कर जनता के मुद्दों के लिए आवाज उठाइये,बधाई देने वालो में आउटरीच प्रदेश काँग्रेस विक्रम चौधरी,काँग्रेसी नेता सतेन्द्र शर्मा,वरिष्ठ नेता मुन्ना ओझा,राहुल सिंह सहित कार्यकर्ता रहे।

एक एक गांव का हर घर मेरे परिवार के समान, हर समस्या का समाधान करना मेरा उद्देश्य- श्रीकांत चतुर्वेदी

आधुनिक समाचार सेवा

मैहर।गांव और ग्रामीण की आज हर बड़ी से बड़ी समस्या श्रीकांत चतुर्वेदी जी के पास आकर समाप्त हो जाती है या कहे तो आज श्रीकांत चतुर्वेदी ग्रामीण क्षेत्र और आम जनमानस की वो मजबूत आस बन चुके है की हर परेशान आदमी को आज एक भरोसा हो चुका है की अगर मैं चतुर्वेदी जी कार्यालय तक अपनी बात पहुंचा दूंगा तो मेरी हर बात सुनी जाएगी और उसका निराकरण भी हो जाएगा। कहा जाए तो जनता और श्रीकांत चतुर्वेदी जी एक दूसरे के पूरक बन चुके ।

विधानसभा में आदरणीय श्रीकांत चतुर्वेदी जी लगातार जनसेवा में लगे है,लगभग हर दिन या हर हफ्ते किसी न किसी गांव में बिजली समस्या आती है लेकिन सूचना मात्र से श्री चतुर्वेदी जी और उनकी टीम राहत दिलाने के लिए त्वरित प्रयास में लग जाते है ,अभी ग्राम पंचायत हरदुआ सहानी का 100 के बी का ट्रांसफॉर्मर जल गया था जिससे वहां के ग्रामीणों को बिजली के साथ पानी की समस्या से भी जूझना पड़ रहा था, वरिष्ठ ग्रामीण धर्मेंद्र यादव गोरेलाल मिथिलेश शिवहरे लालू यादव रमेश चौधरी जी द्वारा सूचना कार्यालय भेजी गई, जैसे ही श्रीकांत चतुर्वेदीजी के संज्ञान में बात आई उन्होंने तुरंत वहां ट्रांसफार्मर भेज कर बिजली व्यवस्था दुरुस्त करवाई,,श्री चतुर्वेदी जी ने स्पष्ट किया है की जनसेवा के लिए उनके दरवाजे जनता के लिए हमेशा खुले रहते है और क्षेत्र के एक एक आदमी मेरे लिए परिवार के समान है। ट्रांसफार्मर लग जाने से अजय शिवहरे की टीम द्वारा सहित सभी ग्रामीणों ने श्री चतुर्वेदी जी का आभार जताया है।

मैहर पहुंचे राष्ट्रीय युवक कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीवास बी बी, मां शारदा के दरबार में हुआ जोरदार स्वागत

आधुनिक समाचार सेवा

मैहर।भारतीय राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी एवं मध्य प्रदेश के अध्यक्ष विक्रांत भूरिया के साथ पहुंचे मैहर,मैहर पहुंचने पर किया जोरदार स्वागत कांग्रेस नेताओं ने श्रीनिवास वी वी सतना कलेक्ट्रेट के घेराव में शामिल होने आए हैं स्वागत करने वालो में प्रदेश महासचिव धर्मेश घई ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी दद्दा सेवादल जिलाध्यक्ष अरुण तनय मिश्रा शिवम पांडे अखिल मिश्रा विपिन सिंह बघेल राम सिंह बुंदेला बृजेंद्र शर्मा नितिन अजय विश्वकर्मा,मध्य प्रदेश के प्रभारी अखिलेश यादव राष्ट्रीय सचिव ओझा सैकड़ों युवक कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ में लटका मिला नाबालिग लड़की का शव,मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

आधुनिक समाचार सेवा

बांदा।संदिग्ध परिस्थितियों में फाशी के फंदे में नाबालिग लड़की का पेड़ में लटका मिला शव स्थानीय लोगों ने लड़की के शव को पेड़ में लटका देख परिजनों और पुलिस को दी सूचना मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पेड़ से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई हैं। आपको बता दें पूरा मामला शहर कोतवाली क्षेत्र के कनवारा के मजरा डेरा के खेत से सामने आया है जहां पर घर से सुबह शौच के लिए गई नाबालिग लड़की का शव खेत में पेड़ से लटका हुआ मिला है जैसे ही स्थानीय लोगों ने शव को फांसी के फंदे पर लटका हुआ देखा तो लड़की के परिजनों और पुलिस को सूचना दिया मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फांसी के फंदे से उतारकर पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया वही पुलिस द्वारा पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है लड़की की मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

महिला उन्नति संस्था ने नशीला पदार्थ स्वास्थ्य के लिए हानिकर के प्रति जागरूक अभियान चलाया

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा।महिला उन्नति संस्था ज़िला गौतमबुद्ध नगर इकाई ने झुग्गी झोपड़ी,सेक्टर 44 के निवासियों से मिले । संस्था की जिला अध्यक्ष, रेनू बाला शर्मा, उन्हें तंबाकू निषेध दिवस के विषय में तंबाकू, शराब, गांजा आदि नशीले पदार्थो के सेवन करने से उनका मेहनत का धन ही नही, स्वास्थ्य भी खराब होता है, कैंसर जैसी लाइलाज भयानक बीमारियां होती है । परिवार में कलह क्लेश होता है । नाबालिक बचियो से दुष्कर्म आदि की दर बढ़ती है । नोएडा महानगर अध्यक्ष, कविता सिंह ने बच्चों ज्को बताया की इसके सेवन से बच्चो के उत्थान में फर्क पड़ता है । जिला उपाध्यक्ष, उमा जैसवाल ने समाज में भी नशीले पदार्थ का सेवन करने वाले व्यक्ति और परिवार को इज्जत की दृष्टि से नही देखा जाता । अंत में सभी उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया की हम नशा नहीं करेंगे, तथा आस पास के लोगो को नशा न करने के लिए जागरूक भी करेंगे ।

रेलवे के सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने समय का सदुपयोग कर सामजिक एवं धार्मिक कार्यों मे लगाये-मण्डल रेल प्रबंधक

आधुनिक समाचार सेवा

वाराणसी।मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय के अध्यक्षता में एवं वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी समीर पॉल के नेतृत्व में मंडल कार्यालय वाराणसी के प्रेमचंद सभागार कक्ष में आज बुधवार को आयोजित एक सादे समारोह में 12 कर्मचारियों को उनके समापक धनराशि कुल चार करोड़ तैंतीस लाख तिरपन हजार पांच सौ बासठ रूपये रु 4,33,53,562 का भुगतान किया गया।इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक(परिचालन) श्री ज्ञानेश त्रिपाठी, वरिष्ठ मंडल रेल प्रबंधक (कार्मिक) समीर पॉल, मंडल वित्त प्रबंधक राजेश कुमार,मंडल कार्मिक अधिकारी विवेक मिश्रा, सहायक कार्मिक अधिकारी रमेश उपाध्याय समेत लेखा एवं कार्मिक विभाग के निरीक्षक व कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय ने कहा कि सेवाकाल के उपरांत कर्मचारियों को मिलने वाला यह धन उनके जीवन भर के परिश्रम की कमाई है।इसलिए बहुत सूझ -बुझ कर ही इसका व्यय करें। उन्होंने कहा कि आप सभी स्वस्थ्य रहें रूचि अनुसार सामजिक एवं धार्मिक कार्यों में अपना समय लगाये ऐसी मेरी कामना है। वाराणसी मंडल विगत वर्षो से सेवानिवृत्त होने वाले सभी कर्मचारियों को उनके सभी प्रकार के देयों का सम्पूर्ण भुगतान उनके सेवानिवृति के दिन ही किया जा रहा है।यह लेखा एवं कार्मिक विभाग के अधिकारीयों एवं कर्मचारियों के परस्पर सामंजस्य एवं कठिन परिश्रम के फलस्वरूप संभव हो पा रहा है। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने सेवानिवृत होने वाले सभी कर्मचारियों को सेवा मेडल प्रदान कर अग्रिम जीवन हेतु शुभकामनाएं दी उनकी लम्बी एवं उल्लेखनीय सेवा के लिए आभार व्यक्त किया।इसके पूर्व अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) ज्ञानेश त्रिपाठी ने सभी सेवानिवृत होने कर्मचारियों को माला पहना कर उन्हे सम्मानित किया। वही सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों को शुभकामनाएँ देते हुए वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी समीर पॉल ने सेवानिवृत कर्मचारियों को आई कार्ड ,सेवा प्रमाण पत्र एवं पीपीओ सम्बन्धी सभी दस्तावेजों के विषय में विस्तार से बतलाया और उनको समझाया कि वे अपनी प्राप्तियों का बहुत सोच समझ कर उपयोग करें किसी व्यक्ति या संस्था के बहकावे अथवा भावनाओं में बह कर इसे अनुचित व्यक्ति को नहीं देंगे।

ग्राम पं. बठीया से अवैध उत्खनन जोर-शोर से फल फूल रहा

आधुनिक समाचार सेवा

मैहर।प्रदेश का सबसे बड़ा अवैध उत्खनन मैहर के बांठिया गांव, पंचायत के द्वारा कलेक्टर को शिकायत करने के बाद भी नहीं रूक रहा खनन ,वही मुख्यमंत्री ने जांच का दिए थे, आश्वासन उसके बाद भी नहीं रुका रहा उत्खनमें प्रदेश का सबसे बड़ा अवैध उत्खनन मैहर क्षेत्र के बांठिया,सहित अन्य कई, गांव में हो रहा है यहां पर अवैध उत्खनन करके केजेएस सीमेंट फैक्ट्री को बेचा जा रहा है व क्षेत्र में बने बिना परमिशन के क्रेसर मालिकों को भी पत्थरों को बेचा जा रहा है,मगर मैहर में बैठे अधिकारी व जिले में बैठे चहे प्रदूषण विभाग के अधिकारी ,चहे माइनिंग विभाग के अधिकारी,चहे आरटीओ, हो सब के सब चुप बैठे हैं कहीं ना कहीं इनके भी जेब हर माह गर्म हो रहे है, मगर सवाल यह है कि मुख्यमंत्री सड़क या प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत बनाई गई रोड जो गांव में चलने के लिए होती है उसमें अवैध तरीके से ओवरलोड वाहनों से पत्थरों को लाते ले जाते हैं सड़क तो खराब हो गई,मगर सड़क के किनारे बसे आदिवासी हरिजन भाई के मकान के हालात देखें के तो रूह कांप जाएगी,किस तरह ज़िन्दगी जी रहे हैं डरें सदमे से रात में सोते हैं की कहीं खदानों में अवैध तरीके से हैवी ब्लास्टिंग होती है उससे मकान में दरारें तो आ ही रही,मगर मकान के साथ हम लाचार आदिवासी,हरिजन भाईयों की ज़िन्दगी से क्यों खिलवाड़ करवा रहे अधिकारी, गांव के गांव को बंजर बनवा के ही मानेंगे,या कोई बड़ा हदसा के इन्तज़ार में है,

बांठिया सरपंच ने सतना कलेक्टर को एक माह पहले शिकायत किए,मगर आज दिनांक तक कोई भी कार्यवाही ना ही हुई,ना ही कोई अधिकारी आए, कहीं ना कहीं अधिकारियों की भी सांठगांठ इन अवैध उत्खनन वालों के साथ है।

पूर्व में सतना आगमन पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह जी से शिक़ायत किए थे मुख्यमंत्री ने भी जांच के आश्वासन भी दिए थे मगर आज दिनांक तक कोई कार्यवाही जिला प्रशासन के द्वारा नहीं की गई।गांव के गांव को उत्खनन करने वाले कैसे आदिवासी भाईयों,व हरिजन भाईयों के ज़िन्दगी से कैसे खिलवाड़ किया जा रहा है, ओर मैहर सहित व जिले में बैठे अधिकारी खनिज विभाग, गांव से ओवरलोड वाहनों, प्रदूषण इन सभी विभाग के अधिकारी आखिर कब अवैध उत्खनन व हैवी ब्लास्टिंग व प्रदूषण व ओवरलोड वाहनों से कब निजात दिलाएंगे या ज़िन्दगी से खिलवाड़ करवाते रहेंगे या कोई बड़ा हादसे के इन्तज़ार में रहे आएंगे।

बांठिया सरपंच के द्वारा एक माह पहले कलेक्टर महोदय को शिकायत की कापी दि गई थी।

श्वेता निझावन मॉडल, अभिनेत्री प्राइडइंडिया ग्रुप के एसोसिएट ब्रांड एंबेसडर

सवाल...सबसे पहले आपसे हमारा सवाल है कि आपने अपने कैरियर की शुरूआत कहां से की?

जवाब...मैंने अपने मॉडलिंग करियर की शुरुआत फेस ग्रुप के इवेंट से की जिसमे मैंने बेस्ट हेयर्स का टाइटल अपने नाम किया...

सवाल...आपकी प्राथमिक शिक्षा कहां से हुई और आपने किस मोड़ पर अपने जीवन का लक्ष्य तय किया?

जवाब...मेरी बेसिक शिक्षा दिल्ली से ही हुई और मैंने 16 साल की उमर से ही अपना लक्ष्य तय कर लिया था...

सवाल...आपकी सफलता और आज आप जिस मुकाम पर हैं उसने पाने के लिए आपने क्या किया और उसमें मुख्य भूमिका किसकी रही?

जवाब...मेरा कोई गॉड फादर नहीं ह ज्यादा समाज नहीं थी फिर मेरे लाइफ पार्टनर के अलावा कोई सपोर्ट मी नहीं था और आज भी वही साथ...

सवाल..आज आप जिस मुकाम पर हैं और आज लोग आपको जानते हैं यह देख कर आपको कैसा महसूस होता है?

जवाब...मई शुरू से अपनी एक पहचान बनाना चाहती थी इंडस्ट्री में मेरे बहुत दोस्त बने या मुझे बहुत से लोग जाते हैं तो अच्छा लगता है और सबके साथ मैंने ये मुकाम पाया...

सवाल...आपने आज तक अपने जीवन में जो तय किया और उसको पाने के लिए आपने दिन रात मेहनत की क्या अभी वह सपना अधूरा है?

जवाब...जी हां मैंने अपने लिए जू ख्वाब देखे थे वो अभी अधूरा है...

सवाल...आपको आपके परिवार से सबसे ज्यादा सपोर्ट और सहयोग किनसे मिला?

जवाब...मुझे बस मेरे जीवन साथी के अलावा किसी का परिवार मुझे समर्थन नहीं है मेरे सपने अब उनके भी हैं...

सवाल...आपको अभी तक कौन-कौन से सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है?

जवाब...मेरे लिए यह वास्तव में गर्व का क्षण है कि मुझे 16 अक्टूबर 2021 को प्राइडइंडिया ग्रुप के एसोसिएट ब्रांड एंबेसडर के रूप में ताज पहनाया गया। और 1 जुलाई 2022 को यूएसएफआर के ब्रांड अंबासाफोर के रूप में भी ताज पहनाया गया...

अभी तक मैंने वर्ल्ड बुक ऑफ टैलेंट, महात्मा गांधी नोबल पीस अवार्ड, गर्वित इंडियन पार्लियामेंट अवार्ड, वुमन ऑफ सब्सटेंस अवार्ड, **ufsr.org** की तराफ से नेशन प्राइड अवार्ड, एक शाम देश का नाम, हेल्पेज इंडिया अवार्ड ... आदि।

सवाल...आपके जीवन के रोल मॉडल कौन है तथा आप किस फिल्म स्टार की तरह बनना चाहती हैं?

जवाब...मेरी रोल मॉडल मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन तथा मिस वर्ल्ड प्रियंका चोपड़ा है...

सवाल...अभी तक आपने जितनी भी कार्य किए हैं उनमें से आपके लिए सबसे बेस्ट और सबसे अच्छा कार्य और अनुभव कौन सा रहा?

जवाब...मैने ऐड शूट मॉडलिंग सिंगिंग सब किया ज लेकिन थिएटर का अनुभव सबसे अच्छा रहा...

सवाल...आप आने वाली पीढ़ी को कोई ऐसा संदेश देना चाहेंगी जिनसे वह प्रेरित हो सके।

जवाब...अगर अपने लिए कोई भी सपना देखा ज तो वो कभी न कभी जरा पुरा होगा बस आपको अपनी महानत नहीं छोडनी ओथा भगवान में विश्वास करना होगा...

गर्मियों की छुट्टियों में त्वचा की कैसे रखें ख्याल

सौंदर्य के लिहाज से गर्मियां हमारी त्वचा को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती हैं। गर्मियों के मौसम में सभी छुट्टियों पर जाना पसंद करते हैं, लेकिन छुट्टियों पर जाने से पहले ही सूर्य की तेज हानिकारक यू.वी. किरणों से त्वचा को होने वाले नुकसान के प्रभावी रोकथाम के उपाय करने चाहिए ताकि सौंदर्य के हिसाब से छुट्टियां दुखद अनुभव की यादगार न बन जाए। समुद्री तटों और पहाड़ों की बर्फ की पारदर्शी सतहों पर सूर्य की किरणें मैदानी इलाकों की बजाय ज्यादा तेज होती हैं जिससे आपकी त्वचा में जलन, कालापन, सनबर्न तथा मुहांसों जैसी सौंदर्य समस्याएं उग्र रूप धारण कर सकती हैं।सौंदर्य विशेषज्ञ शहनाज हुसैन का कहना है कि रेतीले समुद्री तटों तथा बफीर्ले क्षेत्रों में गर्मियों के मौसम में सूर्य की तेज किरणों की वजह से साफ सुथरी त्वचा को कील मुंहासों की समस्या से रूबरू होना पड़ सकता है। उनका कहना है कि आप कुछ सावधानियां बरत कर अपनी छुट्टियों का भरपूर आनन्द उठा सकती है। आप सूर्य की किरणें से बचाव के लिए प्रभावी सनस्क्रीन लोशन जरूर रखें। जब भी आप बाहर धूप में जा रहे हों तो जाने से 20 मिनट पहले चेहरे तथा शरीर के सभी खुले अंगों पर सनस्क्रीन का लेप जरूर कर लें। यदि आप धूप में एक घंटा या ज्यादा समय तक रहें तो दोबारा सनस्क्रीन लगा लें। संवेदनशील तथा सनबर्न से प्रभावित त्वचा में 30 या ज्यादा एस.पी.एफ. सनस्क्रीन का उपयोग करें। गर्मियों में छुट्टियों के दौरान अपने सौंदर्य को बनाए रखने के लिए माइस्चराईजर, रिहाईडरेंट क्लींजर, हैंड क्रीम तथा होठों का बाम साथ रखना कतई न भूलें। गर्मियों की छुट्टियों के दौरान तैलीय त्वचा को चमकाने तथा छिद्रों को साफ करने के लिए स्क्रब का अधिकतम उपयोग कीजिए। शहनाज का कहना है कि समुद्री तट पर खारे पानी में नहाने के बाद चेहरे को ताजे साफ पानी से धोएं। जब भी आप वापस अपने होटल के कमरे में पहुंचें तो चेहरे पर ठंडे दूध की मालिश करके इसे कुछ समय तक छोड़ दें। इससे सनबर्न के प्रभाव को रोकने में मदद मिलेगी तथा चेहरे की त्वचा को ठंडक मिलेगी। इसके बाद चेहरे पर मॉइस्चराईजर लगाएं। चेहरे की त्वचा के पोषण तथा फिर से जवां बनाने के लिए 'पील आफ मास्क' उपयोगी साबित होगा। शहद को अण्डे के सफेद भाग में मिलाकर इस पेस्ट को चेहरे पर 20 मिनट तक लगा रहने के बाद इसे ताजे स्वच्छ जल से धो डालिए। इस मिश्रण से त्वचा कोमल, मुलायम तथा चमकदार बनती है। शहनाज हुसैन का कहना है कि समुद्री पानी से नहाने से आपके बाल निर्जीव तथा उलझ सकते हैं। समुद्री पानी में नहाते समय सिर को कैप से ढकने से बालों को सूर्य की गर्मी तथा खारे पानी के नुकसान से प्रभावी तरीके से बचाया जा सकता है। समुद्री पानी में नहाने के बाद बालों को हल्के हर्बल शैम्पू से धो डालिए तथा शैम्पू के बाद बालों में कंडीशनर या हेयर सीरम का उपयोग कीजिए। समुद्री तट पर जाने से पहले सौंदर्य प्रसाधनों का कम से कम इस्तेमाल करें जबकि आप सफर के दौरान लिप ग्लॉस, पाऊडर, आई-पेंसिल, मस्कारा, लिपस्टिक जैसे सामान्य सौंदर्य प्रसाधनों का उपयोग कर सकती हैं। यदि आपकी तैलीय त्वचा है तथा आप गर्मियों में आद्रता भरे मौसम में सफर कर रहे हैं तो टिशू पेपर, टैलकम पाऊडर तथा डीओडरेंट अपने साथ जरूर रखें। 'पिक मी अप' फेस मास्क आपकी त्वचा को साफ, चमकदार तथा आकर्षक बना सकता है। इससे त्वचा की थकान को मिटाने तथा त्वचा को तरोताजा बनाए रखने में मदद मिलती है। सफर के दौरान 'पील आफ मास्क' के प्रयोग से त्वचा में चमक बनाए रखने में मदद मिलती है। इस मौसम में हाथों तथा शरीर के खुले अंगों में दिन में दो तीन बार मॉइस्चराईजर का प्रयोग करें तथा इसकी त्वचा पर मालिश करें। बालों के सौंदर्य के लिए सनस्क्रीन रहित हेयर क्रीम, हर्बल शैम्पू, हेयर सीरम तथा कंडीशनर का लगातार उपयोग करें। बालों को सूर्य की किरणों, हवा के झोकों तथा धूल मिट्टी से बचाने के लिए स्कार्फ का उपयोग करें। तैलीय बालों के लिए गर्म पानी में टी बैग डुबोइए। टी बैग को हटाकर बाकी बचे पानी को ठंडा होने दें तथा बाद में इसमें नींबू जूस मिला दीजिए तथा उससे बालों को साफ कीजिए। इससे बालों को मुलायम तथा चमकदार बनाने में मदद मिलती है।

पांच सौ साल पुराना किला, आज भी बना हुआ आकर्षण का केंद्र

राजस्थान में ऐसे तो कई जिलों में किलों की अपनी विरासत और पहचान है, लेकिन प्रदेश के दूसरे बड़े जिले जोधपुर में साढ़े पांच सौ साल पुराने किलों में से मेहरानगढ़ किला आज भी दूसरे किलों से बेमिसाल है। यह किला पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।व्यापक रखरखाव और अपनी खूबसूरती के लिए जोधपुर का यह किला यहां के वासियों और पर्यटकों को भी अच्छा लगता ही है। साथ ही कला प्रेमियों की पसंद का केन्द्र है। एक साल में लगभग 11 लाख सैलानी इस किले को निहारते हैं।

125 मीटर ऊंचाई बना है किला : 15वीं शताब्दी का विशालकाय जोधपुर का मेहरानगढ़ किला, पथरीली चट्टान के ऊपर जमीन से 125 मीटर ऊंचाई के ऊपर बना हुआ है। आठ दवाजों और अनगिनत बुर्जो सें युक्त दस किलोमीटर ऊंची दीवार से घिरा हुआ है। किले के अंदर भव्य महल, अदभुत नक्काशीदार गेट,जालीदार खिड़कियों और प्रेरणा देने वाला नाम है, जिसमें मोती महल, फूल महल, सिलेह खाना, दौलत खाना शामिल हैं। इन मेहलों में भारतीय राजवंशों के साज-सामान का विस्मयकारी संग्रह भरे हुए हैं। **पर्यटकों के लिए बना आकर्षण का केंद्र :** मेहरानगढ़ दुर्ग की भव्यता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस किले को बार-बार देखने को जी चाहता है और जितनी बार देखो उतनी बार ही आकर्षण लगता है। इस मेहरानगढ़ किले को देखने के लिए देश के पर्यटक तो आते ही हैं। साथ ही विदेशी सैलानी भी इस किले की तारीफ करते थकते नहीं हैं। पड़ोसी राज्य के लोग तो खासकर इस किले को देखने आते हैं। **लगातार बढ़ रही पर्यटकों की संख्या :** किले के निदेशक करणी सिंह जसोल का कहना है कि एक साल में लगभग 10 लाख भारतीय और 1 लाख विदेशी सैलानी इस किले को देखते हैं। यह संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है। विदेशी सैलानी भी इस किले की खूब तारीफ करते हैं तो स्थानीय लोगों को भी यह किला खूब भाता है। **इस मंदिर का है खास महत्व :** गौरतलब है कि राव जोधा संवत 1460 में मेहरानगढ़ किले के पास चामुंडा माता का मंदिर भी बनाया और मूर्ति की स्थापना की थी। मंदिर का दरवाजा आम आदमियों के लिए भी खोला गया है। चामुंडा माता खाली शासकों की नहीं बल्कि अधिकतर जोधपुर वासियों की कुलदेवी भी हैं और आज भी लाखों लोग इस देवी की पूजा करते हैं। नवरात्रों के दिनों में इस मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की जाती है। खास बात तो यह है कि देश-विदेश से आने वाले कोई भी पर्यटक इस किले को देखे बिना नहीं जाते है।

अस्थमा मरीजों के लिए नई 'हीट थेरेपी', बिना कोई साइड इफेक्टस

अस्थमा के 7 से 8 फीसद मरीजों में इसके लक्षण सामने नहीं आते या फिर विकसित नहीं होते, जबकि दवाएं बढ़ती चली जाती हैं। ऐसे मरीजों के लिए एक नई आशा की किरण सामने आई है। एक खास तरह का उपचार (थेरेपी) जिसमें रेडियो फ्रिक्वेंसी हीट वेव (पूं न) का इस्तेमाल करके सांस की नली की दीवार को हल्का गर्म किया जाता है। खास बात यह है कि इस प्रक्रिया में मरीज को किसी भी तरह के दुष्प्रभाव (साइड इफेक्टस) से नहीं गुजरना पड़ेगा। यह उन मरीजों के लिए भी कारगर साबित होगी जो अस्थमा के साथ स्टेरॉयड (रसायनिक विशेष) की समस्या से भी जूझ रहे हैं। एक अखबार के अनुसार पश्चिमी देशों में इस तकनीक का इस्तेमाल कुछ साल पहले किया गया था और भारत में चेस्ट के कुछ फिजिशियन गंभीर अस्थमा की तकलीफ से गुजर रहे मरीजों पर अब इसका उपयोग कर रहे हैं। ऐसे ही एक मरीज हैं 60 साल के मुकेश गर्ग। पिछले 20 साल से वे लगातार खांसी और सांस नहीं ले पाने की समस्या का सामना कर रहे हैं। बाद उनकी तकलीफ इतनी बढ़ गई कि उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ गया।सर गंगा राम अस्पताल के सीनियर चेस्ट फिजिशियन डॉ। अरूप बसु ने द टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, 'उसे एंटीबायोटिक्स के हैवी डोज दिए गए। हालांकि इसकी वजह से साइट इफेक्टस की भी खतरा हो सकता है। इसलिए हमने उनका इलाज ब्रॉनिकल थेरेमोप्लास्टी (ऊ) के जरिए करना शुरू किया।' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ब्रॉनिकल थेरेमोप्लास्टी के दौरान एक खास नली का इस्तेमाल हुआ, जिसे तीन अलग-अलग सप्ताह में तीन चरणों (सीटिंग्स) में सामान्य ब्रोन्कोस्कोपी के दौरान डाला गया। कुछ मरीजों को सिर्फ दो चरण में ही राहत मिल गई।

जिम कॉर्बेट का ढिकाला जोन है बहुत ही खूबसूरत और शांत पर्यटक स्थल

उत्तराखंड जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क का ढिकाला जोन पाटिल दून घाटी पर स्थित एक बहुत ही खूबसूरत और शांत पर्यटक स्थल है। ये ऐसी जगह है जहां आप अपने तनाव को दूर कर सकते हैं यहां की खूबसूरती और शांति आपको अपने से बांध लेगी और ये जगह छोड़ने का आपका मन बिलकुल नहीं करेगा। **टाइगर रिजर्व ढिकाला** ढिकाला दुनिया भर में अपनी वाइल्ड लाइफ के लिए मशहूर है। वैसे तो कोर्बेट के और भी जोन हैं जेसे झीरना, बिजरानी, सीताबनी, गैराल, दुर्गा देवी ये सभी बहुत ही खूबसूरत हैं और टाइगर रिजर्व भी है लेकिन ढिकाला इन सब में अपनी अगल पहचान के लिए जाना जाता है। यहां आपको हिरण, जंगली हाथी, चीतल, कोबरा सांप, तरह तरह के सरीसृपों और विभिन्न पक्षियों को देखने क अवसर मिलेगा। **100 साल पुराना है यहां का रेस्टहाउस :** जिम कॉर्बेट में अगर आप जंगल के अंदर रहना चाहते हैं और जंगल के बीचों बीच जानवरों की आहट के साथ आप रात गुजारना चाहते हैं तो आप ढिकाला जोन में ये एडवेन्चर भी कर सकते हैं। यहां रहने के लिए एक बेहद खूबसूरत और जन्नत जेसी जगह पर एक रेस्टहाउस है। ये खूबसूरत रिजोर्ट 100 साल पुराना है इसे अंग्रेजों ने बनवाया था। इसकी बनावट आपको आकर्षित करेगी, ये काफी बड़ा है। इस जोन में केवल 20 परिवार ही एक दिन में रह सकते हैं। यहां सरकार का सख्त पहरा है। सब कुछ सरकार की निगरानी में होता है। **45 दिन पहले करनी होगी बुकिंग :** उत्तराखंड सरकार के अधीन होने के कारण यहां के नियम दूसरे टूरिस्ट प्लेसों से अलग हैं। सख्त चैकिंग के बाद आपको गेट से अंदर भेजा जाता है और जंगल की सुरक्षा के लिहाज से आप मीट, शराब, सिगरेट जंगल के अंदर नहीं ले जा सकते इससे आप को खतरा हो सकता है।

वेट लॉस जर्नी में इन टिप्स की मदद से खुद को करें मोटिवेट

किसी भी काम को करने के लिए मोटिवेशन होना बेहद जरूरी है। ऐसा ही कुछ वेट लॉस के साथ भी है। कुछ लोग बहुत ही एनर्जी के साथ वेट लॉस जर्नी शुरू करते हैं, लेकिन सही मोटिवेशन ना होने के कारण वे अपनी जर्नी को बीच में ही छोड़ देते हैं। इसके बाद अपनी बॉडी को ही दोष देना शुरू करते हैं कि उनका वजन कम हो ही नहीं सकता। हो सकता है कि आप सही तरह से वेट लॉस कर रहे हों, लेकिन मोटिवेशन ना होने के कारण आप अपनी जर्नी को आगे ना बढ़ाना चाहते हों। तो चलिए आज इस

लेख में हम आपको कुछ ऐसे आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप वजन कम करते हुए खुद को मोटिवेट कर सकते हैं-

जब भी आप कोई काम करते हैं तो उसके पीछे कोई ना कोई कारण अवश्य होना चाहिए। जिस भी काम के पीछे कारण नहीं होता है, वह कभी भी सफल नहीं होता है। इसलिए, पहले खुद से पूछें कि आप वजन कम क्यों करना चाहते हैं। मसलन, आप सिर्फ अपनी बॉडी को शेप में रखना चाहते हैं या फिर भयंकर बीमारियों को मात देना चाहते हैं। जब आपके पास कोई कारण होगा तो ऐसे में आप जल्दी से अपना कदम पीछे नहीं लेंगे। कई बार जब हम अकेले दौड़ रहे होते हैं तो जल्द ही रेस को बीच में छोड़ देते हैं। आपके साथ ऐसा ना हो, इसलिए ऐसे लोगों की कम्युनिटी में जुड़े, जो फिटनेस फ्रीक हों। उनसे आपको बहुत अधिक मोटिवेशन मिलेगा। साथ ही, उनसे कई नई तरह की जानकारियां भी हासिल होंगी। जिससे आप खुद को अधिक मोटिवेटिड फील करेंगे और अपनी वेट लॉस जर्नी को बीच में छोड़ने का ख्याल भी आपके मन में नहीं आएगा। अगर आप चाहते हैं कि आप अपनी जर्नी बीच में ना छोड़ें तो इसके लिए जरूरी है कि आप रियलिस्टिक गोल्स सेट करें। आप यह सोच लें कि आपको कितना वजन कम करना है और उसके लिए समय भी सुनिश्चित करें। महीने में एक से दो किलो वजन कम करने का लक्ष्य रखें। अगर आप सही डाइट लेते हैं और वर्कआउट करते हैं तो 2-3 किलो वजन आसानी से कम हो जाता है। जब आपको उम्मीद से बेहतर रिजल्ट मिलेगा तो इससे यकीनन आपको काफी अच्छा लगेगा।

अगर दिमाग करना हो तेज तो अपनाए ये तरीका!

एक नये अध्ययन में सामने आया है कि वाद्य यंत्र को सीखने और एक नई भाषा को बोलना सीखने से आपका दिमाग ज्यादा प्रभावी तरीके से काम करने में सक्षम हो सकता है। अध्ययन में पाया गया कि संगीतज्ञों और द्विभाषी लोग में काम की याद्दाश्त बेहतर होती है। न्यूयॉर्क एकेडमी ऑफ साइंसेज के जर्नल एन्नल्स में प्रकाशित अध्ययन एक से ज्यादा भाषाओं की जानकारी नेटवर्क सक्रिय करते हैं और उनकी में बेक्रेस्टस रॉटमैन रिसर्च इंस्टीट्यूट कहा,ये नतीजे दिखाते हैं कि समान द्विभाषियों को कम प्रयास करने पड़ते खिलाफ भी उनका बचाव करती है है। अलेन ने कहा, हमारे नतीजे यह अनुभव, जो एक वाद्य यंत्र बजाना है, यह तय कर सकते हैं कि दिमाग का इस्तेमाल होता है। संगीतकार और द्विभाषी लोग दिखाते हैं कि उनमें काम को लेकर बेहद अच्छी याद्दाश्त , चीजों को दिमाग में रखने की बेहतर क्षमता जैसे फोन नंबरों, निर्देशों को याद रखना, और दिमागी गणित की अच्छी क्षमता होती है।

में शोधकर्ताओं ने कहा कि संगीत या की पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति विभिन्न दिमागी दिमागी गतिविधि कम होती है। कनाडा के वरिष्ठ वैज्ञानिक क्लाउडे अलेन ने काम करने के लिये संगीतकारों और हैं, यह ज्ञान संबंधी गिरावट के और डिमेंशिया के खतरों को भी टालती भी दिखाते हैं कि एक व्यक्ति के सीखता है या एक अन्य भाषा सीखता कैसे काम करता है और किस नेटवर्क

महिलाओं का दिमाग होता है पुरुषों की तुलना में ज्यादा एक्टिव : अध्ययन

महिलाओं का दिमाग पुरुषों की तुलना में विशेषकर ध्यान केंद्रित करने,आवेश नियंत्रण,भाव और तनाव के क्षेत्रों में अधिक सक्रिय होता हैं। एक अध्ययन में यह सामने आया है जिसमें 46,034 मस्तिष्कों का इमेजिंग अध्ययन किया गया। इस अध्ययन में महिलाओं का दिमाग पुरुषों की तुलना में कुछ क्षेत्रों में अधिक सक्रिय पाया गया। अमेरिका में अमेन क्लीनिक्स के संस्थापक और जर्नल आफ अल्जाइमर डिसीज में प्रकाशित इस अध्ययन के प्रमुख लेखक डेनियल जी अमेन ने बताया कि लिंग आधारित मस्तिष्क भिन्नताओं को समझने के लिए यह अध्ययन बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा, हमने पुरुषों और महिलाओं के बीच ऐसी भिन्नताओं को चिन्हित किया हैं जो अल्जाइमर बीमारी जैसे मस्तिष्क से जुड़े विकारों को लैंगिक आधार पर समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं। अध्ययन में पाया गया कि महिलाओं का दिमाग विशेषकर आवेश नियंत्रण,ध्यान,भावुकता,भाव और तनाव के क्षेत्रों में पुरुषों की तुलना में अधिक सक्रिय पाया गया जबकि पुरुषों में मस्तिष्क के दृश्य और समन्वय केंद्र अधिक सक्रिय थे। स्पेक्ट (एकल फोटो उत्सर्जन गणना टोमोग्राफी) मस्तिष्क में रक्त प्रवाह का नापन कर सकता है।

झुलसी त्वचा की कैसे रखें देखभाल

गर्मियों के मौसम में चिलचिलाती धूप तथा यूवी रेडिएशन की वजह से त्वचा में नमी कम हो जाती है, जिस वजह से त्वचा रूखी, मुरझाई तथा बेजान हो जाती है और त्वचा का रंग सामान्य से ज्यादा गहरा या काला हो जाता है। सौंदर्य विशेषज्ञ शहनाज हुसैन ने इस मौसम में त्वचा की देखभाल के उपाय बताते हुए कहा कि इस समय सूर्य की किरणों से त्वचा के बचाव के लिए सनस्क्रीन का लेप काफी प्रभावी माना जाता है। इसके अलावा टोपी पहनना, छाता लेकर चलना तथा दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक घर में रहना वैकल्पिक उपाय माने जाते हैं। अगर आपको भरी दोपहर में घर से निकलना ही पड़े तो सूर्य की गर्मी से बचाव करने वाली सनस्क्रीन बाजार में उपलब्ध है। सूर्य की गर्मी तथा वायु प्रदूषण से चेहरे पर कील -मुहांसे, छाइयां, काले दाग, ब्लैकशेड तथा पसीने की बदबू की समस्या हो जाती है।

कैसे झुलसती है त्वचा : सूर्य के सीधे प्रभाव में आने से त्वचा में मेलेनिन की मात्रा बढ़ जाती है जो कि त्वचा की रंगत को प्रभावित करती है। मेलेनिन वास्तव में सूर्य की हानिकारक अल्ट्रा वॉयलेट किरणों से त्वचा की रक्षा करता है। मेलेनिन जब त्वचा के निचले हिस्सों में पैदा होने के बाद इसके ऊपरी बाहरी हिस्सों तक पहुंचता है तो त्वचा की रंगत काली पड़ जाती है। शहनाज ने कहा कि सूर्य की गर्मी से झुलसी त्वचा की रंगत को दुबारा हल्की रंगत में लाने के लिए त्वचा के अनुरूप फेशियल स्क्रब का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपकी त्वचा शुष्क हो तो सप्ताह में मात्र एक बार ही स्क्रब का उपयोग करना चाहिए, लेकिन तैलीय त्वचा में इसका उपयोग दोहरा सकते हैं। स्क्रब को त्वचा पर आहिस्ता से गोलाकार स्वरूप में उंगलियों के सहारे लगाना चाहिए तथा कुछ समय बाद इसे ताजे सादे पानी से धो डालना चाहिए। इससे त्वचा की मृत कोशिकाएं हट जाती हैं जिससे त्वचा में निखार आ जाता है। शहनाज ने कहा कि रसोई में रखे उत्पादों से आसानी से स्क्रब बनाया जा सकता है। वास्तव में रसोई में रखे अनेक उत्पादों को झुलसी त्वचा को ठीक करने के लिए सीधे तौर पर लगाया जा सकता है। **सौंदर्य विशेषज्ञ के सुझाव....** -दिनभर बाहर रहने पर शाम को चेहरे पर कुछ समय तक बर्फ के टुकड़ों को रखिए। इससे सनबर्न से हुए नुकसान से राहत मिलेगी तथा त्वचा में नमी बढ़ेगी। -चेहरे पर टमाटर का पेस्ट लगाने से भी गर्मियों में झुलसी त्वचा को काफी सुकून मिलता है। -सनबर्न के नुकसान को कम करने के लिए चेहरे को बार बार ताजे, साफ तथा ठंडे पानी से धोइए। -गुलाब जल में तरबूज का रस मिलाकर चेहरे पर लगाने के 20 मिनट बाद ताजे पानी से धो डालने से सनबर्न का असर खत्म हो जाएगा। -एक चम्मच शहद में दो चम्मच नींबू का रस मिलाइए तथा आधा घंटा बाद ताजे साफ पानी से धो डालिए। इसे प्रतिदिन चेहरे पर लगाइए। -तैलीय त्वचा से झुलसी त्वचा को राहत प्रदान करने के लिए खीरे की लुगदी को दही में मिलाइए और इस मिश्रण को 20 मिनट बाद ताजे स्वच्छ पानी से धो डालिए। -सूर्य की किरणों से झुलसी त्वचा पर कॉटनवूल की मदद से ठंडा दूध लगाएं। इससे त्वचा को न केवल राहत मिलेगी, बल्कि त्वचा कोमल बनकर निखरेगी। लंबे समय तक इसका उपयोग करने से त्वचा की रंगत में निखार आएगा। -मुट्ठी भर तिल को पीसकर इसे आधे कप पानी में मिला लीजिए तथा दो घंटे तक मिश्रण को कप में रखने के बाद पानी को छानकर इससे चेहरा साफ कर लीजिए, झुलसी त्वचा में फायदा होगा।

'यह सीजन तुमको क्या सीखा के गया..'चेन्नई की जीत के बाद एमएस धोनी ने टीम से पूछा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 का खिताब जब से चेन्नई सुपर किंग्स ने अपनी झोली में डालकर इतिहास रचा है तभी से टीम लगातार चर्चा में बनी हुई है। कभी टीम के सफलतम कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की चर्चा होती तो कभी मैच विनर रविंद्र जडेजा की। इसी बीच एक नई जानकारी सामने आई है। महेंद्र सिंह धोनी ने जीत के बाद अपनी चेन्नई सुपर किंग्स की टीम से खास बातचीत की है। गौरतलब है कि चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान एमएस धोनी अपनी बात कहने वालों में से हैं। आमतौर पर महेंद्र सिंह धोनी जो भी महसूस करते हैं वो बोलते है और अपनी बात खुलकर सभी के सामने रखते हैं। हाल ही में टीम के तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे ने खुलासा किया कि धोनी ने फाइनल में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ आईपीएल 2023 की जीत के बाद ड्रेसिंग रूम में अपने खिलाड़ियों से खास बातचीत की थी। बता दें कि ये महेंद्र सिंह धोनी और चेन्नई सुपर किंग्स के लिए ये इंडियन प्रीमियर लीग का पांचवा खिताब था। मगर कप्तान महेंद्र

सिंह धोनी चाहते थे की टीम के कई खिलाड़ी जिनका ये पहला खिताब है वो जमीन से ही जुड़े रहे। खिताब जीतने के बाद भी महेंद्र सिंह धोनी ने इसी का ज्ञान अपने खिलाड़ियों को दिया।

गौरतलब है कि सोमवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जीटी पर सीएसके की 5 विकेट से जीत के बाद बोलते हुए, धोनी ने पुष्टि की कि वह अगले सत्र में भी खेलकर खुद को चुनौती देने की संभावना रखते हैं। आईपीएल का सीजन खत्म होने और टीम के चैंपियन बनने के बाद अपने साथियों को संदेश देकर सीख भी दी है। वहीं तुषार देशपांडे और शिवम दूबे की सीएसके जोड़ी ने खुलासा किया कि कैसे धोनी ने दो युवाओं के लिए दबाव में खेलना और कामयाब होना आसान बना दिया।

शिवम दुबे ने कहा कि माही भाई ने क्लैरिटी दी थी कि मुझे क्या करना है और मेरा रोल क्या होने वाला है। ये काफी सिंपल था क्योंकि तुझे जाकर टीम का रन रेट बढ़ाना है। उन्होंने कहा था कि बस अपने दिए गए कार्य को पूरा जरुर करना। वहीं तुषार देशपांडे, जिसने टीम के लिए 21 विकेट हासिल किए, ने बताया कि कैसे धोनी ने फाइनल में 56 रन देने के बावजूद युवा तेज गेंदबाज का समर्थन किया। तुषार ने कहा कि एक बार जब मैंने अच्छी गेंदबाजी नहीं की तो वह आए और कहा कि इंपैक्ट प्लेयर नियम के साथ 200 से अधिक का स्कोर सामान्य है। उन्होंने वो गारंटी दी जो आमतौर पर युवाओं को चाहिए होती है। देशपांडे ने बताया की जीत के बाद धोनी ने सभी खिलाड़ियों से पूछा की टूर्नामेंट के दौरान क्या सही और क्या गलत हुआ था। देशपांडे ने अपने खिलाड़ी के लिए 41 वर्षीय के संदेश को याद करते हुए कहा कि उन्होंने ड्रेसिंग रूम में सभी को यह बताने के लिए कहा कि आईपीएल 2023 सत्र के दौरान क्या सही हुआ और क्या गलत हुआ। जीत को लेकर महेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि सभी की मेहनत रंग लाई है, लेकिन याद रखें कि इस साल हमने क्या सही किया और कहां गलत किया। माही भाई ने कहा, 'ये सीजन तुमको क्या सीखा के गया है, और आगे क्या करना है, ये जरूर सोचना।

एडिडास ने शेयर की भारतीय क्रिकेट टीम की नई जर्सी के लुक, फैंस हुए खुश

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के खत्म होने के बाद अब भारतीय क्रिकेट टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023 के फाइनल मुकाबले के लिए कमर कस रही है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023 का फाइनल मुकाबला सात जून से लंदन के केनिंगटन ओवल मैदान में खेला जाना है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए टीम इंडिया के खिलाड़ी इंग्लैंड पहुंच चुके हैं। वहीं भारतीय टीम के खिलाड़ियों ने टेस्ट चैंपियनशिप के लिए इंग्लैंड में जोरदार प्रैक्टिस की शुरुआत कर दी है। इसी बीच भारतीय क्रिकेट टीम नए अंदाज में फाइनल मुकाबले में दिखेगी। एडिडास ने टीम इंडिया की नई ट्रेनिंग किट और जर्सी फैंस के बीच शेयर की है। बता दें कि भारतीय टीम के खिलाड़ी प्रैक्टिस करने के दौरान नई जर्सी में दिखेंगे। इसे लेकर एडिडास ने प्रैक्टिस सेशन से टीम इंडिया के कुछ फोटोज शेयर किए हैं। एडिडास द्वारा प्रायोजित नए क्रिकेट गियर के साथ टीम इंडिया सबसे प्रत्याशित कार्यक्रम में भी जाएगी। गौरतलब है कि दुनिया के क्रिकेट फैंस क्रिकेट के इस महाइवेंट के आयोजन को लेकर बेहद उत्साहित हैं। भारतीय टीम नई सफेद गेंद के साथ नई जर्सी में खेलने के लिए तैयार है। इस नई जर्सी की कई फोटो सोशल मीडिया पर जारी की गई है।

इन्हें फैंस काफी शेयर कर रहे है। नई जर्सी का बेसब्री से इंतजार कर रहे भारतीय क्रिकेट टीम के फैंस अब तक सामने आई फोटो को काफी पसंद कर रहे है। हालांकि अब तक पूरी जर्सी का लुक सामने नहीं आया है मगर कुछ झलकियों को देखकर भी फैंस काफी खुश है।

हाल ही में बीसीसीआई ने घोषणा की थी कि एडिडास ब्रैंड भारतीय टीम के साथ जुड़ रहा है। बीसीसीआई को खेल के परिधान के लिए एडिडास के रूप में नया प्रायोजक मिला है। नए प्रायोजक के लोगो वाली नई किट का अनावरण कर दिया गया है। वर्तमान में किलर जीन्स प्रायोजक है, जिसके साथ अनुबंध 31 मई को खत्म होगा। इसके बाद भारतीय क्रिकेट टीम के प्रायोजक के तौर पर एडिडास होगा। वहीं नए एड़िडास के लोगो वाली नई किट में खिलाड़ियों ने 26 मई को तस्वीरें भी पोस्ट की है। नई जर्सी में शार्दुल ठाकुर, उमेश यादव, राहुल द्रविड़, विक्रम राठौर समेत अन्य टीम के स्टाफ दिख रहे है।

क्रिकेट इतिहास की वह बेहतरीन पारी जिसमें गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटे थे विव रिचर्ड्स

नई दिल्ली। क्रिकेट के इतिहास में कुछ ऐसे मौके आए हैं जिसके चर्चा आज भी होती है। क्रिकेट में कई ऐसी पारियां भी खेली गई हैं जिनकी बदौलत खिलाड़ी क्रिकेट के इतिहास में हमेशा के लिए अमर हो गए हैं। वेस्टइंडीज के क्रिकेटर सर विव रिचर्ड्स किसी परिचय के मोहताज नहीं है। उनके बल्ले से निकले हर शॉट को लोग बार-बार देखना पसंद करते हैं। भले ही उन्होंने वेस्टइंडीज की ओर से क्रिकेट खेला लेकिन उनके प्रशंसक दुनिया में हर जगह मिल जाएंगे। आज हम उनकी एक ऐसी पारी की बारे में आपको बताने जा रहे हैं जिसको जानकर आप भी आश्चर्य हो जाएंगे।

आज से 38 साल पहले विव रिचर्ड्स ने एक ऐसी तूफानी बल्लेबाजी की थी कि जिसकी मिशाल अब भी दी जाती है। अपनी इस पारी की बदौलत उन्होंने 1 दिन में कई बड़े रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए थे। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी

की बदौलत उन्होंने 1 दिन में 300 रन बना डाले थे। इस दौरान उन्होंने 258 गेंदों का सामना किया था और 322 रन बनाए थे जिसमें 42 चौके और आठ लंबे छक्के शामिल थे। इस पारी की सबसे खास बात यह थी कि रिचर्ड्स ने एक ही दिन में 300 रन बना डाले थे। उस वक्त वेस्टइंडीज की तरफ से फर्स्ट क्लास क्रिकेट में यह सर्वश्रेष्ठ पारी थी और यही कारण है कि इसकी आज की चर्चा होती है। अपनी इस पारी में विव रिचर्ड्स ने 244 गेंदों में तिहरा शतक जमाया था जबकि सिर्फ 130 गेंदों में 200 रन बनाए थे। इनकी पारी की बदौलत समरसेट ने 5 विकेट खोकर 566 रन बनाए थे। लेकिन इस मुकाबले में कोई रिजल्ट नहीं निकला था। यह मुकाबला ड्रॉ रहा था। विव रिचर्ड्स क्रिकेट के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्होंने 1974 में पहली बार डेब्यू किया। अपने करियर में 121 टेस्ट और 187 एकदिवसीय मुकाबले उन्होंने खेले हैं। वह दुनिया के महान बल्लेबाजों में से एक हैं।

पूर्व भारतीय फुटबॉलर मेहताब ने पहलवानों का समर्थन किया

कोलकाता। पीड़ित पहलवानों के साथ एकजुटता दिखाते हुए भारत के पूर्व मिडफील्डर मेहताब हुसैन बुधवार को शहर में विरोध मार्च से जुड़े जिसकी अगुआई पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने की। पहलवान भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को गिरफ्तार करने की मांग कर रहे हैं जिन पर एक नाबालिग सहित कई महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। ईस्ट बंगाल के पूर्व मिडफील्डर मेहताब ने पीटीआई से कहा, "जब यही खिलाड़ी ओलंपिक में पदक जीतते हैं तो प्रधानमंत्री के पास चाय पर उनकी मेजबानी करने और फोटो खिंचवाने का समय होता। उन्होंने कहा, "अगर प्रधानमंत्री पांच मिनट निकालकर उनकी बात सुन लेने तो कुश्ती का यह नाटक इस स्तर पर नहीं पहुंचता।" मंगलवार को पहलवान हरिद्वार में हर की पौड़ी पर पहुंचे और अपने पदक गंगा में विसर्जित करने की धमकी दी लेकिन बाद में खाप और किसान नेताओं ने उन्हें रोक दिया।

भारतीय पहलवान के साथ हुआ बर्ताव बहुत परेशान करने वाला: आईओसी

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने विरोध प्रदर्शन कर रहे पहलवानों के खिलाफ दिल्ली पुलिस के बर्ताव की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि यह 'बहुत परेशान करने वाला' था। आईओसी की प्रतिक्रिया यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) द्वारा जंतर मंतर पर अपने विरोध प्रदर्शन के दौरान पहलवानों को हिरासत में लेने की आलोचना के बाद आई है। कुश्ती के इस वैश्विक निकाय ने निर्धारित समय के भीतर अपना चुनाव कराने में विफल रहने पर इस राष्ट्रीय महासंघ को निलंबित करने की धमकी दी थी। साक्षी मलिक, विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और संगीता फोगाट जैसे शीर्ष पहलवानों ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण का आरोप लगाया है।

आईओसी से जारी बयान के मुताबिक, '' सप्ताहांत में भारतीय कुश्ती खिलाड़ियों के साथ हुआ व्यवहार बहुत परेशान करने वाला था। आईओसी गंभीरता से चाहता है कि पहलवानों द्वारा लगाए गए आरोपों की स्थानीय कानून के अनुसार निष्पक्ष आपराधिक जांच की जानी चाहिये।'' उन्होंने कहा, '' हमें पता चला है कि इस तरह की आपराधिक जांच की दिशा में पहला कदम उठाया जा चुका है, लेकिन ठोस कार्रवाई के सामने आने से पहले और कदम उठाने होंगे। हम आग्रह करते हैं कि इस प्रक्रिया के दौरान इन पहलवानों की सुरक्षा पर ध्यान दिया जाये और इस जांच को तेजी से पूरी की जाये।''

दिल्ली पुलिस ने साक्षी के साथ विश्व चैंपियनशिप की कांस्य विजेता विनेश और एक अन्य ओलंपिक पदक विजेता बजरंग को हिरासत में लिया और बाद में उनके खिलाफ कानून और

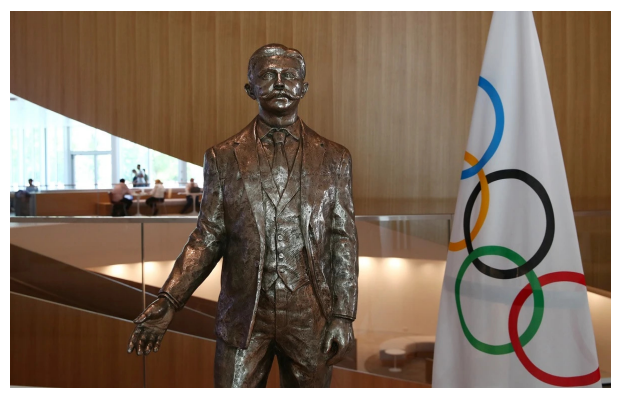

व्यवस्था के उल्लंघन के लिए प्राथमिकी दर्ज की। पहलवान और उनके समर्थक अनुमति नहीं मिलने के बावजूद सुरक्षा घेरा तोड़कर महिला 'महापंचायत' के लिए नये संसद भवन की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे थे। दिल्ली पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश और फिर उन्हें जबरदस्ती बस में डाल कर ले गये। पहलवान एक नाबालिग सहित कई महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में बृजभूषण को गिरफ्तार करने की मांग कर रहे हैं।

आईओसी ने अपने बयान में आगे कहा, '' आरोपों की शुरुआत से ही आईओसी यूडब्ल्यूडब्ल्यू के संपर्क में है। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने पहले ही इस मामले पर अपने कदम उठाये है।'' उन्होंने कहा, '' आईओसी इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए यूडब्ल्यूडब्ल्यू का समर्थन करता है क्योंकि यह भारत में कुश्ती के खेल के शासन से संबंधित है। हमें उन्होंने सूचित किया है कि डब्ल्यूएफआई के (पूर्व) अध्यक्ष वर्तमान में प्रभारी नहीं हैं।'' आईओसी ने आईओए से खिलाड़ियों की सुरक्षा के साथ डब्ल्यूएफआई के चुनावों को योजना के अनुसार और अंतरराष्ट्रीय महासंघ के रूप में यूडब्ल्यूडब्ल्यू के नियमों के अनुरूप सुनिश्चित करने को कहा है।

कोनवे को सीखते रहने की विलियमसन की लत लग गई है : ब्रेसवेल

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के पूर्व स्पिनर जॉन ब्रेसवेल का मानना है कि करिश्माई बल्लेबाज डेवोन कॉनवे को पिछली गलतियों से सीखते रहने और अपनी बल्लेबाजी तकनीक में तेजी से सुधार करने की 'केन विलियमसन की लत' लग गई है। न्यूजीलैंड की टीम में देरी से 29 साल की उम्र में जगह बनाने वाले कॉनवे ने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट पदार्पण पर दोहरा शतक जड़ा था और सबसे लंबे प्रारूप में ऐसा करने वाले केवल सातवें बल्लेबाज बन गए। अब 31 बरस के कॉनवेने अपने दूसरे इंडियन प्रीमियर लीग सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाते हुए छह अर्धशतक की मदद से 51 से अधिक की औसत से 672 रन बनाए और इस दौरान नाबाद 92 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। रुतुराज गायकवाड़ के साथ उनकी पहले विकेट की साझेदारियों ने

सुपरकिंग्स के रिकॉर्ड बराबर करने वाले पांचवें आईपीएल खिताब की नींव रखी। शुभमन गिल और फाफ डुप्लेसी के बाद वह ऑरेंज कैप की दौड़ में तीसरे स्थान पर रहे। न्यूजीलैंड के लिए 41 टेस्ट में 102 विकेट चटकाने और 1000 से अधिक रन बनाने वाले ब्रेसवेल ने 'एसईएन रेडियो' से कहा, "मुझे लगता है कि वह तीनों प्रारूपों में सामंजस्य बैठाने और कौशल के मामले में पूरी तरह से जादूगर है।" उन्होंने कहा, "जिस तरह से वह हर समय बेहतर क्रिकेटर बनता जा रहा है, वह मुझे पसंद है।

दक्षिण कोरिया को रौंद कर भारत जूनियर एशिया कप हॉकी के फाइनल में

सालालाह। भारतीय हॉकी टीम ने बुधवार को यहां दक्षिण कोरिया को एकतरफा मुकाबले में 9-1 से हराकर जूनियर एशिया कप के फाइनल में प्रवेश किया। गुरुवार को होने वाले खिताबी मुकाबले में भारत के सामने मलेशिया और पाकिस्तान के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता की चुनौती होगी। धामी बोबी सिंह ने हैट्रिक गोल कर भारत के जीत के अंतर को बढ़ाया। वह 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने गये। धामी ने 31वें, 39वें और 55वें मिनट में गोल किया तो वहीं लाकरा सुनीत ने 13वें मिनट में भारत का खाता खोला। मैच के 19वें मिनट में हुंदल अरिजीत सिंह ने बढ़त को दोगुना कर दिया। अंगद वीर सिंह और उत्तम सिंह ने क्रमशः 34वें और 38वें मिनट में गोल किया जिससे भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर के बाद अपनी बढ़त को 6-0 कर ली। कोरियाई टीम ने हालांकि आखिरी क्वार्टर में बेहतर खेल दिखाया।

पाकिस्तान के लिए होगी बड़ी राहत,डब्ल्यूटीसी फाइनल से बाहर होने के बावजूद भी आईसीसी देगा इतने लाख रुपए

नई दिल्ली। इंग्लैंड के ओवल में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप 2023 का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इसके लिए दोनों ही टीमें प्रैक्टिस भी शुरू कर चुकी हैं। आईसीसी की ओर फाइनल जीतने वाली टीम को पुरस्कार के रूप में कितनी राशि मिलेगी इसका ऐलान भी किया जा चुका है। इस ऐलान से पाकिस्तान के लिए भी राहत भरी खबर है। दरअसल, आईसीसी की ओर विजेता और उपविजेता के अलावा अन्य टीमों को भी पुरस्कार राशि दी जाएगी।

दी गई जानकारी के मुताबिक भारत और आस्ट्रेलिया के बीच विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के विजेता को 16 लाख डॉलर ईनामी राशि के तौर पर मिलेंगे जबकि उपविजेता को आठ लाख डॉलर दिये जायेंगे। डब्ल्यूटीसी के पिछले संस्करण के लिए पुरस्कार राशि में कोई बदलाव नहीं हुआ है। पिछली बार न्यूजीलैंड को भी 16 लाख डॉलर मिले थे। न्यूजीलैंड ने भारत को हराकर विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का

फाइनल मुकाबला जीता था। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की कुल 38 लाख डॉलर ईनामी राशि में से सभी नौ टीमों को हिस्सा मिलेगा। दक्षिण अफ्रीका को 2021-23 में तीसरे स्थान पर रहने के लिये 450000 डॉलर मिलेंगे। इंग्लैंड को चौथे स्थान पर रहने के 350000 डॉलर मिलेंगे। श्रीलंका को पांचवें स्थान पर रहने के दो लाख डॉलर दिये जायेंगे। बाकी टीमों को एक-एक लाख डॉलर मिलेंगे। पाकिस्तान के अलावा बांग्लादेश, वेस्टइंडीज और न्यूज़ीलैंड को भी एक-एक लाख डॉलर मिलेंगे।

फ्रेंच ओपनः युकी-साकेत दूसरे दौर में, बोपन्ना-एबडेन हारे

पेरिस। युकी भांबरी और साकेत माइनेनी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने बुधवार को यहां फ्रेंच ओपन

टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में आर्थर रिंडरनेक और एंजो सोसाउद की फ्रांस की जोड़ी को सीधे सेट में हराया। इस साल जनवरी में बैंकॉक ओपन चैलेंजर जीतने वाले युकी और साकेत ने अपने शुरुआती मैच में आर्थर और एंजो को 64 मिनट में 6-3, 6-2 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। हालांकि भारत के स्टार खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन पहले दौर की बाधा पार करने में नाकाम रहे।

इस जोड़ी को सादियो डोंबिया और फैबियन रेबोल की फ्रांस की जोड़ी के खिलाफ 5-7 6-7 (5-7) से हार का सामना करना पड़ा। बीएनपी परिबास ओपन और कतर ओपन में जीत के अलावा इस साल मैड्रिड ओपन के फाइनल में पहुंची भारत और ऑस्ट्रेलिया की जोड़ी ने पांच मैच प्वाइंट बचाए लेकिन फ्रांस की जोड़ी को जीत दर्ज करने से नहीं रोक पाए। एन श्रीराम बालाजी और जीवन नेदुनचेझियान की जोड़ी भी पहले दौर में बेलारूस के इल्या इवाश्का और ऑस्ट्रेलिया के एलेक्सी पोपिरिन से 3-6 4-6 से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गयी।

डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले पुजारा और कोहली के बारे में बात करेगा ऑस्ट्रेलियाः पोंटिंग

लंदन। पूर्व कप्तान और दिग्गज क्रिकेटर रिकी पोंटिंग का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया को अगर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में भारत से निपटना है तो चेतेश्वर पुजारा और विराट कोहली को जल्दी आउट करना होगा। भारत के टेस्ट बल्लेबाज पुजारा इंग्लैंड काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स की ओर से लंबे समय तक खेलने के कारण टीम के साथियों को बहुमूल्य सुझाव दे सकते हैं जबकि कोहली हाल ही में संपन्न इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिए दो शतक और छह अर्धशतक लगाकर शानदार फॉर्म में हैं। पोंटिंग ने 'द आईसीसी रिव्यू' में कहा, ''इसमें कोई शक नहीं कि ऑस्ट्रेलियाई टीम विराट के बारे में बात करेगी और वे पुजारा के बारे में बात करेंगे।'' पुजारा को ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की चुनौतियों का आनंद लेने के लिए जाना जाता है जिन्होंने किसी भी अन्य टीम की तुलना में उनके खिलाफ अधिक टेस्ट रन और शतक बनाए हैं और उनका प्रदर्शन भारत के दूसरे प्रयास में डब्ल्यूटीसी ट्रॉफी जीतने की संभावनाओं के लिए महत्वपूर्ण होगा। पोंटिंग ने कहा, ''पुजारा ने अतीत में ऑस्ट्रेलिया में काफी परेशान किया है और यह विकेट संभावित रूप से ऑस्ट्रेलियाई पिच की तरह होगा। वे जानते हैं कि उन्हें उसे जल्दी आउट करना होगा।'' तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले पुजारा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 24 टेस्ट में पांच शतक की मदद से 2,033 रन बनाए हैं और भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को उम्मीद होगी कि वह डब्ल्यूटीसी फाइनल में टीम के लिए कुछ और

महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

कोहली ने आईपीएल में अपनी जबर्दस्त फॉर्म के अलावा मार्च में बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में 186 रन की पारी खेली थी और वह पैट कमिंस की अगुआई वाली टीम के खिलाफ खेलने के लिए बेताब होंगे। पोंटिंग ने कहा, ''वे यह भी जानते हैं कि पिछले कुछ हफ्तों में विराट शायद अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में वापस आ गया है, हालांकि टी20 क्रिकेट में। उसने मुझे बताया कि वह महसूस कर रहा है कि वह अपनी लगभग सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में वापस आ गया है और एकमात्र मैच से पहले यह ऑस्ट्रेलिया के लिए चेतावनी है।'' पोंटिंग आईपीएल और बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी दो टेस्ट में 23 वर्षीय बल्लेबाज शुभमन गिल के प्रदर्शन से भी काफी प्रभावित हैं। गिल ने आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए तीन शतक लगाए।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा, ''वह शानदार युवा खिलाड़ी है। उसमें थोड़ी अकड़ भी है और वह स्तरीय खिलाड़ी भी है। वह तेज गेंदबाजों के खिलाफ फ्रंट-फुट पुल शॉट खेलता है और उसे शायद इस ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ इस शॉट की जरूरत पड़ेगी।'' डब्ल्यूटीसी फाइनल में तेज गेंदबाजों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी और पोंटिंग का मानना है कि अनुभवी मोहम्मद शमी को ऑस्ट्रेलिया के मजबूत बल्लेबाजी क्रम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा क्योंकि चोट के कारण जसप्रीत बुमराह टीम का हिस्सा नहीं हैं।

सम्पादकीय

अपनी सीमा समझें राज्य

पूर्वोत्तर के दो राज्यों असम और मिजोरम के बीच सीमा विवाद को लेकर जिस तरह की हिंसक झड़प सोमवार को हुई, वह न केवल इन दोनों राज्यों की सरकारों के लिए बल्कि पूरे देश के लिए चिंता की बात है। आखिरकार गृह मंत्री अमित शाह के दखल देने के बाद स्थिति काबू में आई। उन्होंने दोनों राज्यों से इस मामले में यथास्थिति बनाए रखने की अपील की है। साथ ही, इस बात को भी समझना होगा कि दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद बहुत पुराना है। इसकी जड़ें औपनिवेशिक शासन तक जाती हैं। तब मिजोरम असम का एक जिला था और उसे लुशाई हिल्स के रूप में जाना जाता था। विवाद के मूल में दो नोटिफिकेशन हैं, एक 1875 का जिसने लुशाई हिल्स को कछार के मैदान से अलग रेखांकित किया। दूसरा 1933 का, जो लुशाई हिल्स और मणिपुर के बीच सीमा निर्धारित करता है। मिजोरम का आग्रह है कि राज्य की सीमा तय करने के लिए 1933 के नोटिफिकेशन को आधार माना जाए जबकि असम 1875 के नोटिफिकेशन को आधार मानने की बात करता है। खासकर 1987 में मिजोरम के एक अलग राज्य बनने के बाद से यह विवाद और गहरा होता गया। लेकिन दूसरे राज्यों के बीच अलग-अलग मसलों को लेकर विवाद होते रहते हैं। कई राज्यों के बीच सीमा विवाद भी हैं। ये विवाद कभी-कभार गंभीर तनाव का कारण भी बन जाते हैं। लेकिन जिस तरह की हिंसा असम और मिजोरम के पुलिस बलों के बीच हुई है, वह किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं हो सकती। दोनों राज्य सरकारों को ही नहीं केंद्र सरकार की तमाम एजेंसियों को भी इस बात की जानकारी थी कि कछार और कोलासिब जिलों की सीमा पर तनाव के हालात बन रहे हैं। दो दिन पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पूर्वोत्तर के दौरे पर गए थे और मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक में सीमा विवाद पर भी बातचीत हुई थी। इस सबके बावजूद ऐसी झड़प हुई। अब दोनों राज्यों की सरकारें एक-दूसरे पर दोषारोपण करते हुए परस्पर विरोधी दावे कर रही हैं, जिनकी सचाई जांची-परखी जा सकती है। जहां तक सवाल सीमा संबंधी विवाद का है तो देश के नियम कानून और संविधान के मुताबिक तमाम मंच उपलब्ध हैं, जहां दोनों सरकारें अपना पक्ष लेकर जा सकती हैं। मगर अपने-अपने दावों को दूसरे पक्ष से इस तरह मनवाने और इन कोशिशों में सशस्त्र पुलिस बलों को शामिल करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। विवाद को उपयुक्त ढंग से हल करने की प्रक्रिया तो अविलंब शुरू होनी ही चाहिए, सोमवार को हुई झड़प की निष्पक्ष और विश्वसनीय जांच भी होनी चाहिए। यह पता लगाया जाना चाहिए कि इस हिंसा के दोषी कौन हैं। जिन लोगों ने अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वाह नहीं किया है, उनके खिलाफ समुचित कार्रवाई होनी चाहिए। इससे यह संदेश दिया जा सकेगा कि इस तरह की गलती आइंदे बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एनडीए 25 साल का होने जा रहा है, भारतीय राजनीतिक इतिहास का यह बहुत बड़ा घटनाक्रम है

केंद्र में मोदी सरकार का नेतृत्व कर रही भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे करने जा रहा है जोकि बड़ी उपलब्धि है। देश के राजनीतिक इतिहास में आज तक बहुत से गठबंधन बने और टूटे लेकिन एनडीए 25 वर्षों से अपने अस्तित्व में बना हुआ है और वर्तमान में केंद्र की सरकार के अलावा 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इसकी सरकारें हैं। दरअसल, 90 के दशक में जब भाजपा को राजनीतिक रूप से अछूत माना जाता था और कोई भी दल मुस्लिम मतों को गंवाने के डर से भाजपा के साथ गठबंधन करने से परहेज करता था, उस समय 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी ने क्षेत्रीय दलों को शामिल कर जो गठबंधन बनाया था उसे एनडीए नाम दिया गया। हम आपको याद दिला दें कि 1996 के लोकसभा चुनावों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। तत्कालीन राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा ने भाजपा नेता अटल बिहारी वाजपेयी को सबसे बड़े दल का नेता होने के नाते पहले सरकार बनाने का अवसर भी दिया लेकिन भाजपा के पास शिवसेना और शिरोमणि अकाली दल के अलावा किसी अन्य दल का समर्थन नहीं था जिसके चलते अटलजी की सरकार मात्र 13 दिनों में ही गिर गयी थी।

1996 के इस अनुभव को देखते हुए भाजपा ने क्षेत्रीय दलों के साथ संवाद का काम शुरू किया और अपने मूल मुद्दों को किनारे रखते हुए एक साझा न्यूनतम कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन बनाने की कवायद शुरू की। जल्द ही यह कवायद रंग लाई और 1998 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को टक्कर देने के लिए अटल बिहारी वाजपेयी ने उत्तर-दक्षिण-पूरब-पश्चिम के कई दलों का ऐसा संगम बनाया कि कांग्रेस और तीसरे मोर्चे का सफाया हो गया और तेलुगू देशम पार्टी के बाहरी समर्थन से केंद्र में अटलजी की सरकार बन गयी। हालांकि एनडीए सहयोगी अन्नाद्रमुक की नेता जयललिता की ओर से समर्थन वापस लिये जाने के कारण अटलजी की सरकार 13 महीने में ही गिर गयी लेकिन 1999 में हुए लोकसभा चुनावों में एनडीए एक बार फिर सत्ता में पहले से ज्यादा ताकत के साथ लौटा। हालांकि निर्धारित अवधि से छह महीने पहले कराये गये लोकसभा चुनावों में एनडीए की हार हुई और कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सत्ता में आया। यूपीए ने 2004 से 2014 तक राज किया। उसके बाद मई 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए एक बार फिर सत्ता में लौटा और तबसे केंद्र तथा विभिन्न राज्यों में इसकी सरकार चल रही है।

दरअसल एनडीए 25 साल पूरे कर रहा है सिर्फ यही इसकी उपलब्धि नहीं है। एनडीए की उपलब्धि यह भी है कि इसने सबसे पहले भारत में उस मिथक को तोड़ा था कि गठबंधन सरकारें अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सकतीं। एनडीए की सफलता देख कर ही कांग्रेस का भी अहंकार टूटा था। देवेगौड़ा और गुजराल की सरकार से समर्थन वापस लेकर उन्हें गिराने वाली कांग्रेस कभी क्षेत्रीय दलों को अपने साथ नहीं बिठाती थी लेकिन 2004 के लोकसभा चुनावों से पहले शिमला में हुई कांग्रेस की बैठक में यूपीए के गठन का निर्णय लिया गया और वामदलों से लेकर अन्य कई दलों को इसमें शामिल किया गया। एनडीए के उतार-चढ़ावों की बात करें तो इसमें सबसे पहले शामिल होने वाली शिवसेना और शिरोमणि अकाली दल ने 2019 के लोकसभा चुनावों के बाद अलग-अलग कारणों से इस गठबंधन को छोड़ दिया। हालांकि शिवसेना जबसे एकनाथ शिंदे के हाथ में आई है तबसे इसकी वापसी एनडीए में हो गयी है। एनडीए की शुरुआत से ही घटक रही समता पार्टी जोकि बाद

में जनता दल युनाइटेड कहलाई, वह भी एनडीए में आती जाती रहती है। फिलहाल वह इस गठबंधन से बाहर है। एनडीए के स्वरूप की बात करें तो इसके तहत गठबंधन नेताओं की जो समिति बनी थी वह सीटों और पदों के बंटवारे से लेकर संसद में उठाये जाने वाले मुद्दों और विरोधियों के हमलों से बचाव की रणनीति बनाती है। अतीत में कई बार कुछ निर्णयों में विचारधाराएं आड़े आईं तो बहुमत के आधार पर फैसले भी लिये गये। एनडीए के संयोजकों की बात करें तो अटल बिहारी वाजपेयी इसके संस्थापक संयोजक थे। एनडीए की कमान भाजपा में अटलजी के अलावा लालकृष्ण आडवाणी के पास वर्किंग चेयरमैन के नाते रही तो कुछ समय तक भाजपा नेता जसवंत सिंह ने भी इसका नेतृत्व किया। 2014 से एनडीए के चेयरमैन अमित शाह हैं जबकि इसके शीर्ष नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। पूर्व रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस ने भी 2008 तक एनडीए का इसके संयोजक के नाते नेतृत्व किया, इसके बाद जदयू के तत्कालीन अध्यक्ष शरद यादव के हाथ में एनडीए संयोजक पद की कमान आई। लेकिन जून 2013 में जब जदयू ने एनडीए गठबंधन छोड़ा तो शरद यादव ने भी संयोजक पद छोड़ दिया। तब आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री और टीडीपी नेता चंद्रबाबू नायडू को एनडीए का संयोजक बनाया गया। 2018 में चंद्रबाबू ने भी एनडीए छोड़ा और तबसे इसके संयोजक का पद खाली पड़ा हुआ है। एनडीए के कुछ घटक कई बार यह मांग कर चुके हैं कि सहयोगी दलों के बीच बेहतर सामंजस्य बनाये रखने के लिए एनडीए संयोजक की नियुक्ति की जानी चाहिए। केंद्रीय स्तर पर एनडीए में शामिल दलों की बात करें तो इसमें भाजपा के अलावा शिवसेना, आरएलजेपी, अपना दल (सोनेलाल), एनपीपी, एनडीपीपी, आजसू, एसकेएम, एमएनएफ, एनपीएफ, अन्नाद्रमुक, आरपीआई (ए), एजीपी, पीएमके, टीएमसी (मूपनार) और यूपीपीएल शामिल हैं। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में निषाद राज पार्टी और कुछ अन्य क्षेत्रीय दलों का भाजपा को समर्थन हासिल है। इसी तरह की स्थिति कुछ अन्य राज्यों में भी है। इसके अलावा 2016 में पूर्वोत्तर में एनडीए के तहत बनाये गये नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक एलायंस (नेडा) में भाजपा के अलावा कई क्षेत्रीय दल शामिल हैं। यह गठबंधन पूर्वोत्तर के अधिकांश राज्यों में सरकार चला रहा है। एनडीए की सफलताओं की बात करें तो इसने 1998, 1999, 2014 और 2019 का लोकसभा चुनाव जीतकर अटल बिहारी वाजपेयी और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सिर्फ सरकार ही नहीं दी है बल्कि तीन बार उसके राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार- डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, रामनाथ कोविंद और द्रौपदी मुर्मू जीती हैं तो इसके अलावा तीन बार ही एनडीए के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार- भैरों सिंह शेखावत, एम. वेंकैया नायडू और जगदीप धनखड़ की जीत हुई। एनडीए ने लालकृष्ण आडवाणी के रूप में देश को एक उपप्रधानमंत्री भी दिया है। अटलजी और मोदी के नेतृत्व में केंद्र में एनडीए की जीत में फर्क यह रहा कि अटलजी को जहां दोनों बार गठबंधन की सरकार चलानी पड़ी वहीं मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने अपने दम पर बहुमत हासिल किया लेकिन गठबंधन धर्म निभाते हुए सहयोगी दलों को भी मंत्रिमंडल में स्थान दिया। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बात करें तो अरुणाचल प्रदेश में पेमा खांडू, असम में हिमंत बिस्व सरमा, गोवा में प्रमोद सावंत, गुजरात में भूपेंद्र पटेल, हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर, मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान, महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे, मणिपुर में एन. बिरेन सिंह, मेघालय में कोनराड संगमा, नगालैंड में नेफियू रियो, पुडुचेरी में एन. रंगासामी, सिक्किम में प्रेम सिंह तमांग, त्रिपुरा में माणिक साहा, उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ और उत्तराखण्ड में पुष्कर सिंह धामी शामिल हैं। इसके अलावा देश के विभिन्न राज्यों के नगर निकायों में भी एनडीए शासन कर रहा है। देखा जाये तो भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए देश में केंद्र की सत्ता के अलावा अब तक सिर्फ तीन राज्यों- केरल, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में सरकार बना चुका है।

बहरहाल, साल 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए एनडीए अपने आप को एक बार फिर तैयार करने में जुटा है। माना जा सकता है कि अपनी स्थापना की रजत जयंती मनाने जा रहे एनडीए में कुछ और दल भी शामिल हो सकते हैं। आने वाले दिनों में इस गठबंधन की अधिक बैठकें भी देखने को मिल सकती हैं क्योंकि एनडीए की अपेक्षा 19 दलों को साथ लेकर कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए ने संसद के बजट सत्र में मोदी सरकार को काम नहीं करने दिया, संसद के नये भवन के उद्घाटन कार्यक्रम का बहिष्कार किया और अब पटना में 12 जून को सभी विपक्षी दलों की एक बैठक कर आगे की कार्ययोजना बनाई जायेगी। ऐसे में सिर्फ भाजपा को ही नहीं एनडीए को भी पूरी तरह से सक्रिय होने की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की बैठक में निर्देश दिये भी हैं कि राज्य सरकारें क्षेत्रीय आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में तेजी से कदम उठायें।

विपक्ष ने देश की संसद से ज्यादा अपनी एकजुटता को तवज्जो दी

संविधान निर्माताओं ने संसद भवन को भारतीय लोकतंत्र का पवित्र स्थान मानते हुए जिस संविधान का गठन किया था, उस वक्त उन्हें भी इस बात का अंदाजा नहीं होगा कि यह भवन देश के अमन और तरक्की के रास्ते पर चलते हुए विश्व में लोकतांत्रिक आदर्शों पर चलने की बजाय राजनीति का शर्मसार करने वाला अखाड़ा बन जाएगा। पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की सदस्यता के विवाद और अब संसद की नई इमारत सत्ता पक्ष और विपक्ष में फजीहत का कारण बन गई है। सत्तापक्ष और विपक्ष में नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर आई कड़ुवाहट से विश्व में भारत की छवि प्रभावित हो रही है। सत्ता पक्ष और विपक्ष में तीखी टकराहट का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले विपक्षी दलों पर ईडी और सीबीआई की कार्रवाई के कारण भी ऐसा नजारा देखने को मिला था। हालांकि इस मुद्दे पर विपक्ष को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिल सकी, किन्तु भाजपा और विपक्षी पार्टियों में तल्खी और बढ़ गई। नये संसद भवन को लेकर सियासी घमासान छिड़ा हुआ है जो कम होने का नाम नहीं ले रहा है। विपक्ष ने नई संसद के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया, इस बहिष्कार में भी कई दलों में एकता दिख रही है, दरअसल विपक्ष अलग-अलग मुद्दों के जरिए 2024 के चुनाव में एकजुट होकर बीजेपी की ओर चुनावी तीर चलाना चाहता है। यह नया संसद भवन सरकार और विपक्ष के बीच कटुता की एक नई इमारत के रूप में खुल रहा है। ऐसे संकेत हैं कि 2024 के लोकसभा चुनाव तक यह दरार और चौड़ी हो सकती है। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। समूचा विपक्ष राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से उद्घाटन कराने पर जोर देते हुए समारोह के बहिष्कार पर अड़ा रहा। खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को कहा कि आपकी सरकार के अहंकार ने संसदीय प्रणाली को ध्वस्त कर दिया है। महामहिम राष्ट्रपति का पद संसद का प्रथम अंग है। सरकार के अहंकार ने संसदीय प्रणाली को ध्वस्त कर दिया है। राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर ट्वीट किया कि 'नए संसद भवन का राष्ट्रपति को उद्घाटन करना चाहिए, न कि पीएम को।' गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के बहिष्कार को लेकर कहा कि आप इसे राजनीति के साथ मत जोड़िये। सब अपने विवेक के हिसाब से काम कर रहे हैं। भाजपा ने भी कांग्रेस

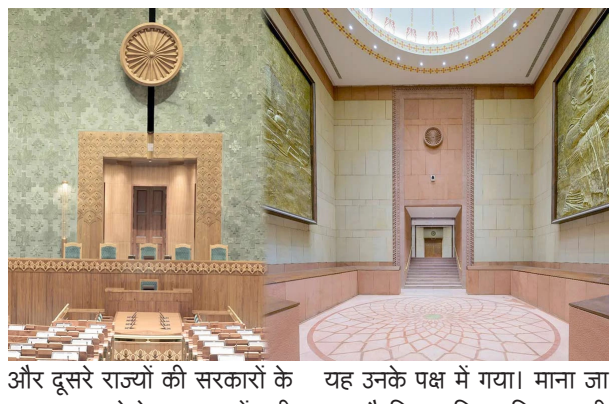

और दूसरे राज्यों की सरकारों के समय हुए ऐसे उद्घाटनों की फेहरिस्त गिनाई है, जिनमें राष्ट्रपति या राज्यपाल को आमंत्रित नहीं किया गया। नए संसद भवन का पीएम मोदी से उद्घाटन को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत 19 विपक्षी दलों ने बहिष्कार किया। सभी दल अपनी सुविधा अनुसार और वोटों के समीकरण के आधार पर विरोध-समर्थन कर रहे थे। सभी की निगाहें 2024 के लोकसभा चुनावों के साथ-साथ आगामी राज्य चुनावों पर भी टिकी हैं। कांग्रेस को एससी, एसटी और पिछड़ों को लुभा कर 2024 में अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह उनका मजबूत वोट बैंक रहा है और कर्नाटक में भी यह उनके पक्ष में गया। माना जा रहा है कि इसलिए बहिष्कार की राजनीति में यह मोड़ आया।

नए संसद भवन के बहिष्कार के मुद्दे पर कांग्रेस, टीएमसी, समाजवादी पार्टी (सपा) और आप सहित 19 विपक्षी दलों ने हाथ मिलाने का फैसला किया है। वैसे इस बात पर भी आश्चर्य नहीं कि तेलुगु देशम पार्टी, वाईएसआर कांग्रेस और बीजू जनता दल जैसे अन्य विपक्षी दलों ने इस उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया। ये पार्टियां काफी लंबे समय से बीजेपी के करीब चल रही हैं और टीडीपी निश्चित रूप से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में फिर से शामिल होने की उम्मीद में बीजेपी के करीब आ रही है। नए भवन के उद्घाटन से पहले एक छोटा-सा हवन किया गया और इस पर भी विपक्षी पार्टी नेताओं द्वारा आपत्ति जताई जा रही है। भाजपा निश्चित तौर पर हवन के विरोध को चुनावी मुद्दा बनाने से नहीं चूकेगी। राष्ट्रवाद और राष्ट्रहित के मुद्दों पर कांग्रेस, कुछ अन्य विपक्षी दलों की तरह बैकफुट पर रही है। कम से कम लोकसभा चुनाव के लिए तो बीजेपी और प्रधानमंत्री इसे अवश्य ही मुद्दा बनाएंगे। विपक्षी दल इस मुद्दे पर केंद्र की भाजपा सरकार का पुरजोर तरीके से विरोध कर रहे हैं। विपक्षी दलों के विरोध से इस बात की ज्यादा संभावना नहीं है कि सभी एकजुट होकर आगामी लोकसभा और राज्यों में होने वाले विधानसभाओं के चुनाव मिल कर लड़ेंगे। संसद भवन से पहले राहुल गांधी की सदस्यता के मामले में विपक्षी दल एकता नहीं दिखा सके। भाजपा का विरोध करने मात्र से विपक्षी एकता की संभावना क्षीण है। विपक्षी दल विगत कई वर्षों से भाजपा का विरोध करते आ रहे हैं, किन्तु पूर्व में हुए चुनावों में भी उनका विरोध एकता को सिरे से नहीं चढ़ा सका। केंद्र सरकार द्वारा अध्यादेश जारी करके दिल्ली की अरविन्द केजरीवाल सरकार के अधिकारों को सीमित करने के मामले में विपक्षी दल राज्य सभा में कानून बनने से रोकने के लिए एकजुट होने का प्रयास कर रहे हैं, हालांकि कांग्रेस ने फिलहाल इससे दूरी बना रखी है, किन्तु संसद में इस कानून के पक्ष में वोट देना कांग्रेस के लिए आसान नहीं होगा। ऐसे में कांग्रेस के पास वॉकआउट ही एक रास्ता होगा। संसद भवन के उद्घाटन पर सत्तारुढ़ और विपक्षी दलों में टकराव को मुद्दा बेशक चुनावी बने, किन्तु इसमें लोकतंत्र की ढहती हुई स्वस्थ परंपराओं का एक नया अध्याय ओर जुड़ गया है। देश और लोकतंत्र के लिए जरूरी है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष अपने संकीर्ण स्वार्थों से ऊपर उठ कर ऐसे राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर एक राय कायम करें।

फिल्मों पर राजनीति करना दर्शाता है कि नेताओं के पास असल मुद्दों की कमी हो गयी है

आजादी के बाद से हमारे देश में हिन्दी सिनेमा का एक चलन-सा हो गया कि हिन्दू धर्म, उसके उच्च मूल्य मानकों एवं संस्कृति को धुंधलाना। लेकिन पूर्व सरकारों की तुष्टिकरण की नीति के कारण उस दौर में ऐसी फिल्मों पर विवाद भी खड़े नहीं होते थे और न ही उन पर बैन लगाने के स्वर उभरते थे। लेकिन अब 'द कश्मीर फाइल्स', 'पद्मावत', 'पीके' और 'ओ माइ गॉड' जैसी अनेक फिल्मों पर विवाद की श्रृंखला में 'द केरल स्टोरी' पर विवाद खड़ा किया जा रहा है, जबकि इस फिल्म में वास्तविक तथ्यों को दिखाने के बावजूद यह विवाद खड़ा किया जा रहा है। देश में फिल्मों का बॉयकॉट कल्चर भी उग्र है। फिल्मों को समाज का आईना कहा जाता है। लेकिन कई मामलों में इस आईने को कभी विवाद तो कभी टकराव का सामना करना पड़ा। कुछ फिल्मों पर प्रतिबंध भी लगे तो कुछ ने लोगों का गुस्सा भी झेला। राजनीतिक लाभ की रोटियां सेंकने की कुचेष्टाएं भी बहुत हुई हैं, सर्वोच्च न्यायालय को भी बार-बार दखल देना पड़ा है। जबकि फिल्में कला, अभिनय और संगीत का मिश्रण हैं। इन्हें संकीर्ण साम्प्रदायिक रंग देना कहां तक उचित है? प्रश्न यह भी है कि फिल्मों को राजनीति के दलदल में क्यों खींचा जाए? एक देश में, एक फिल्म एक राज्य में बैन और एक राज्य में 'टैक्स फ्री', क्यों? ये राजनीति नहीं तो क्या है? देश की सर्वोच्च अदालत ने 'द केरल स्टोरी' को पश्चिम बंगाल में बैन करने को गलत ठहराते हुए इसे रिलीज करने के आदेश दिए। अदालत ने साफ किया कि फिल्म के प्रदर्शन से अगर कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ती है तो उसे संभालना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है।

वर्तमान में फिल्मों से जुड़े विवाद इसलिये बढ़ रहे हैं, क्योंकि वे फिल्में कहीं-न-कहीं भारतीय संस्कृति का अपमान कर रही हैं, राष्ट्रीय एकता को खंडित कर रही है या वास्तविक एवं कठोर सत्यों को उद्घाटित कर रही है जैसा कि 'द कश्मीर फाइल्स' एवं 'द केरल स्टोरी' फिल्मों में प्रस्तुत हुए देश तोड़क डरावने एवं खौफनाक तथ्यों को देखकर कुछ राजनीतिक दल एवं एक सम्प्रदाय विशेष का बौखला जाना है। इस फिल्म से जुड़ा सम्पूर्ण विवाद, उसकी चर्चा और राजनीतिक एंगल पूर्व-नियोजित षड्यंत्र है। बहुसंख्यक समुदाय की पीड़ा को ध्यान में रख कर बनाई फिल्म में कभी विवाद होते नहीं देखा गया है जबकि अल्पसंख्यक समुदाय एवं मुस्लिम लोगों की तुष्टिकरण के लिये वास्तविक घटनाओं का फिल्मांकन भी विवाद का कारण बनना दुर्भाग्यपूर्ण एवं त्रासद है। यह पाया गया है कि कुछ फिल्म निर्माता और कलाकार किसी बहुसंख्यक समाज की आस्था पर आघात कर न केवल धन कमा रहे हैं बल्कि उस बहुसंख्यक समुदाय के गौरवमय इतिहास को भी धुंधला रहे हैं। फिल्म को विवादित बनाना, अतिवादी संगठनों के माध्यम से फिल्म का विरोध कराना आदि सभी मार्केटिंग के तौर तरीके होने के साथ-साथ भारत विरोधी ताकतों की कुचेष्टा एवं षडयंत्र है। सेक्युलरिज्म, अभिव्यक्ति की आड़ लेकर व्यापक पैमाने पर सिनेमा के माध्यम से हिन्दू धर्म, धार्मिक प्रतीकों, भगवान, पूजा पद्धति, आस्था, हिन्दू ऐतिहासिक वीर नायक/नायिकाओं के विरुद्ध विधिवत षड्यंत्र के तहत फिल्मों व धारावाहिकों, कॉमेडी का निर्माण लम्बे दौर से चल रहा है। 'द केरल स्टोरी' जैसी फिल्मों को लेकर विभिन्न राज्यों की सरकारें भी बंटी हुई हैं, कला एवं संस्कृति को भी साम्प्रदायिक रंग देने की यह साजिश है। एक विचारधारा को मानने वाली सरकार एक फिल्म को बैन करती है तो दूसरी विचारधारा को मानने वाली सरकार उसी फिल्म को 'टैक्स फ्री' कर देती है। एक तरफ हम बात 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' की करते हैं, तो दूसरी ओर उसी 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' पर पाबंदियां लगाने के बहाने तलाशते हैं। यह कैसा लोकतांत्रिक एवं साम्प्रदायिक सौहार्द का भारत हम निर्मित कर रहे हैं? आजादी के अमृत काल में भी हम आज इन विवादों से ऊपर नहीं उठ पा रहे हैं, यह चिन्ता एवं चिन्तन का विषय है। यह कैसे मान लिया जाना चाहिए कि महज एक फिल्म देख लेने भर से किसी की विचारधारा बदल सकती है। हमारे आसपास जो कुछ घटित हो रहा है, फिल्म उसका आईना मात्र है। सुप्रीम कोर्ट को पहले भी ऐसे मामलों में दखल देना पड़ा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि भविष्य में ऐसी नौबत न आने पाए। किसी भी फिल्म को देखने या नहीं देखने को लेकर फैसला लेना हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। इसीलिए शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि लोगों के भड़कने या उनकी भावनाएं आहत होने को आधार बनाकर पूरे राज्य के नागरिकों के मौलिक अधिकारों को बाधित नहीं किया जा सकता। ऐसे में किसी फिल्म को लेकर राज्य सरकारों के बेवजह पार्टी बनने की वजह समझ से परे है। फिल्म प्रदर्शन से पहले केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) यानी सेंसर बोर्ड के पास जाती है। सेंसर बोर्ड को फिल्म के प्रदर्शन, उसे रोकने अथवा कुछ दृश्यों को काटने का अधिकार है। जब बोर्ड की ओर से फिल्म के प्रदर्शन के लिए अनुमति दे दी जाती है तो राज्य सरकारों को उसके प्रदर्शन को रोकने का अधिकार कैसे मिल जाता है? इसी तरह फिल्म को 'टैक्स फ्री' करने के पीछे भी कोई ठोस कारण होना चाहिए। जबकि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और हरियाणा में फिल्म 'द केरल स्टोरी' को 'टैक्स फ्री' किए जाने के पीछे वोट बैंक की राजनीति के अलावा कोई अन्य कारण समझ में नहीं आता। हमारे देश में सियासत भी अतरंगी है। राजनीति में नित नए आयाम जुड़ते जा रहे हैं। सियासत के ठेकेदारों ने धर्म को भी अपने राजनीतिक फायदे के अनुसार उपयोग करना सीख लिया है। यहां तक कि हमारी सभ्यता एवं हमारी संस्कृति से जुड़े मुद्दों पर भी राजनीतिक रोटियां सेकने में इन्हें कोई परहेज नही होता है। उन्हें तो बस अपना राजनीतिक लाभ दिखता है। फिर चाहे उसके बदले उन्हें अपने धर्म के खिलाफ ही क्यों ना बोलना पड़े। राजनीति में ईमान, धर्म, मान, मर्यादा और आस्था जैसे शब्द बेमानी से लगने लगे हैं। ऐसे में कैसे यह उम्मीद की जाए कि राजनीति के रणबांकुरे हमारी संस्कृति, हमारी आस्था, हमारे वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्वधर्म सद्भाव की आदर्श परम्परा को बनाए रखने का, उसे सहेजकर रखने का प्रयास करेंगे। आज के वर्तमान दौर में यह हमें ही तय करना है कि तकनीकी के इस दौर में सकारात्मकता भी है और नकारात्मकता भी। ऐसे में हमें अपने मूल्यों को खुद समझना होगा और यह हमें ही तय करना होगा कि हम समाज को किस दिशा में लेकर जाए। समाज में फैली बुराई को किस प्रकार खत्म कर सकें। इस दिशा में हमें और हमारे समाज को ही सोचना होगा और इसमें फिल्मों की भूमिका महवपूर्ण है। इन फिल्मों को राजनीति का एवं साम्प्रदायिक कट्टरता का रंग देना नये भारत, सुदृढ़ भारत की सबसे बड़ी बाधा है। हमारे देश की विडंबना देखिए कि यहां अभिव्यक्ति की आजादी भी धर्म विशेष के लिए अलग-अलग परिभाषित की जाती है। जब 2015 में फ्रांस में पैग़म्बर मोहम्मद का कार्टून एक समाचार पत्र ने प्रसारित किया गया तो उस समाचार पत्र में काम करने वाले 12 लोगों की हत्या कर दी गई थी। वहीं साल 2020 में फ्रांस के टीचर का गला रेत दिया गया क्योंकि उसने पैगम्बर मोहम्मद का कार्टून बच्चों को दिखाया था। लेकिन जब हमारे देश मे एम.एफ. हुसैन ने हिन्दू देवी-देवताओं का नग्न चित्र बनाया तो उनका समर्थन करने वालों की लंबी फ़ौज खड़ी हो गई। कोई मां दुर्गा को सिगरेट पीटे हुए दिखा रहा है तो कोई गणेशजी, शिवजी और हनुमानजी की छवि को आघात पहुंचा रहे हैं, लेकिन इसका कहीं कोई विरोध नहीं हुआ। हिन्दू देवी-देवताओं की आपत्तिजनक प्रस्तुति जानबूझकर लोकप्रियता हासिल करने के साथ-साथ धर्म-विशेष के असंख्य लोगों की भावनाओं को आहत करने का जरिया है। इस तरह की हिन्दू धर्म के खिलाफ दुष्प्रचार करने की सुदीर्घ परम्परा रही है, सदियों से हिंदू धर्म का मजाक बनाया जाता रहा है, लेकिन कभी-न-कभी तो वाजिब विरोध के स्वर उभरेंगे ही।

संक्षिप्त समाचार

शिंदे-फडणवीस सरकार ने 11 महीने में तीसरे शहर का किया नामकरण, अब अहिल्या नगर के रूप में जाना जाएगा अहमदनगर

मुम्बई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को घोषणा की कि राज्य के अहमदनगर जिले का नाम बदलकर 'अहिल्या नगर' किया जाएगा। यह घोषणा प्रारंभिक-आधुनिक भारत में मराठा साम्राज्य की वंशानुगत महारानी अहिल्या बाई होल्कर की जयंती पर की गई है। राज्य सरकार ने घोषणा की कि अहिल्या बाई होल्कर का सम्मान करने के लिए, महाराष्ट्र सरकार उनके नाम पर अहमदनगर जिले का नाम बदल देगी। महाराष्ट्र के सीएम ने चौंधी, नगर जिले में घोषणा की, जहां उन्होंने अहिल्या बाई होल्कर की जयंती मनाई। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, सीएम शिंदे और कई राज्य मंत्री अहमदनगर में मराठा मालवा साम्राज्य की होल्कर रानी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए उपस्थित थे, जिन्हें पूरे भारत में मंदिरों और 'धर्मशालाओं' (सार्वजनिक विश्राम गृह) के निर्माण के लिए जाना जाता है। डिप्टी सीएम फडणवीस ने कहा कि यदि राजमाता अहिल्यादेवी होलकर न होतीं तो काशी न रहती।

शांति बहाल करने की कोशिश में जुटे अमित शाह, विभिन्न प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात जारी

नई दिल्ली। मणिपुर हिंसा ने एक बार फिर से देश की चिंता बढ़ा दी हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मणिपुर दौरे पर हैं। वह लगाता विभिन्न प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर रहे हैं। वह लोगों से शांति बनाए रखने की भी अपील कर रहे। मैतेई समुदाय द्वारा अनुसूचित जनजाति (एसटी) के दर्जे की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के आयोजन के बाद मणिपुर में भड़की जातीय हिंसा में 75 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को मणिपुर में भारत-म्यांमार सीमावर्ती शहर मोरेह का दौरा किया और सुरक्षा उपायों की समीक्षा करने के अलावा कुकी नागरिक समाज समूहों से मुलाकात की।

अयोध्याः ट्रस्ट की बैठक में हुआ बड़ा फैसला, रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए पीएम मोदी को भेजा जाएगा निमंत्रण

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीराम जन्मभूमि तीरथ क्षेत्र ट्रस्ट का न्यासी बोर्ड सप्ताह भर चलने वाले 'प्राण-प्रतिष्ठा' समारोह के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित करेगा। इसी दौरान अयोध्या में राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला की मूर्ति स्थापित की जाएगी। जानकारी के मुताबिक सप्ताह भर चलने वाला समारोह जनवरी 2024 में मकर संक्रांति से या उसके एक दिन बाद शुरू होगा। ट्रस्ट प्राण-प्रातिष्ठा समारोह के लिए एक शुभ तिथि तय करने के लिए प्रसिद्ध ज्योतिषियों से परामर्श कर रहा है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के मुताबिक, ट्रस्ट देशभर के मंदिरों में 'अयोध्या प्राण-प्रतिष्ठा' का आयोजन भी करेगा। उन्होंन कहा कि हम पीएम मोदी को एक पत्र लिखेंगे और उनसे अयोध्या आने का अनुरोध करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि (राम मंदिर के उद्घाटन के लिए) तारीख की पुष्टि होनी बाकी है, इसलिए हम उन्हें लिखेंगे और उनसे दिसंबर-जनवरी 26 के बीच आने का अनुरोध करेंगे। राय ने कहा कि राजस्थान के सफेद मार्काना मार्बल का इस्तेमाल राम मंदिर के फर्श के लिए किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार जनवरी के पहले हफ्ते तक अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण पूरा करने की मंशा के तहत तेजी से काम कर रही है। मुख्यमंत्री अनेक स्थानों पर जाकर श्रद्धालुओं को आमंत्रित कर रहे हैं और निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि योगी सरकार की मंशा है कि जनवरी के प्रथम सप्ताह तक मंदिर निर्माण पूर्ण हो जाए और देश-दुनिया के पर्यटक यहां अपने आराध्य के दर्शन कर सकें। इसके लिए हवाई अड्डा और रेलवे स्टेशन समेत अनेक संपर्क माध्यम का विस्तार हो रहा है। इसी क्रम में सहादतगंज से नया घाट तक करीब 13 किलोमीटर लंबे रामपथ का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

जम्मू और कश्मीर के बारामूला में आतंकवादियों के दो सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षाबलों ने बृहस्पतिवार को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के दो सहयोगियों को गिरफ्तार कर उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। पुलिस के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि फ्रेश्तिहार क्रीरी गांव में आतंकवादियों की आवाजाही के संबंध में मिली विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षाबलों ने फ्रेश्तिहार वारीपोरा क्रॉसिंग पर एक मोबाइल वाहन जांच चौकी (एमवीसीपी) स्थापित की। प्रवक्ता के मुताबिक, क्रॉसिंग की तरफ आ रहे दो संदिग्धों ने सुरक्षाबलों को देखने के बाद भागने की कोशिश की, लेकिन उन्हें पकड़ लिया गया। प्रवक्ता के अनुसार, दोनों संदिग्धों की जांच के दौरान दो चीनी पिस्तौल, दो मैगजीन और पिस्तौल की 15 गोलियां बरामद की गईं। उन्होंने कहा कि संदिग्धों को तुरंत हिरासत में ले लिया गया। पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक, गिरफ्तार संदिग्धों की पहचान फ्रेश्तिहार क्रीरी के रहने वाले सुहैल गुलजार और हुदीपोरा राफियाबाद के निवासी वसीम अहमद पाटा के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि सुहैल और वसीम लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के सहयोगी हैं। प्रवक्ता के अनुसार, संदिग्धों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम और गैरकानून गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

किम जोंग उन की बहन ने असफल उपग्रह प्रक्षेपण की आलोचना को लेकर अमेरिका पर निशाना साधा

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन ने एक जासूसी उपग्रह के प्रक्षेपण में असफल रहने के लिए उनके देश की आलोचना करने को लेकर

बृहस्पतिवार को अमेरिका पर निशाना साधा। उन्होंने अमेरिका पर ''गैंगस्टर जैसा'' पाखंड करने का आरोप लगाया और जोर देकर कहा कि जल्द ही (उपग्रह का) सफल प्रक्षेपण किया जाएगा। दरअसल, उत्तर कोरिया ने बुधवार को एक जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित करने का प्रयास किया था, लेकिन वह इसमें नाकाम रहा था। प्रक्षेपण के तत्काल बाद अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने उत्तर कोरिया की आलोचना की थी।

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता एडम हॉग ने कहा था कि वाशिंगटन उत्तर कोरिया की ओर से जासूसी उपग्रह प्रक्षेपण की कड़ी निंदा करता है, क्योंकि उसने प्रतिबंधित बैलिस्टिक मिसाइल तकनीक का प्रयोग किया, तनाव बढ़ाया और क्षेत्र में व अन्य जगहों पर सुरक्षा व्यवस्था को अस्थिर करने का खतरा पैदा किया। किम जोंग उन की बहन किम यो ने हॉग के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अमेरिका ''अपनी विकृत सोच के कारण घिसी-पिटी और अनाप-शनाप बातें कर रहा है।'' किम यो ने कहा, ''अगर उत्तर कोरिया पर उपग्रह प्रक्षेपण को लेकर प्रतिबंध लगाया जाना है, तो अमेरिका और बाकी सभी देशों, जिन्होंने पहले ही हजारों उपग्रह प्रक्षेपित किए हैं, उनकी भी निंदा की जानी चाहिए। यह आत्म-विरोधाभास से जुड़े कुतर्क के अलावा और कुछ नहीं है।''

उन्होंने कहा, ''लंबे वक्त से तर्क दिया जा रहा है कि केवल उत्तर कोरिया को बैलिस्टिक रॉकेट प्रणाली के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने वाले संयुक्त रष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के अनुसार ऐसा करने की अनुमति नहीं है, जबकि अन्य देश ऐसा कर रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से गैंगस्टर जैसा बर्ताव और अंतरिक्ष का इस्तेमाल करने के उत्तर कोरिया के अधिकार का उल्लंघन है।'' किम यो ने जोर देकर कहा कि उत्तर कोरिया अपने जासूसी उपग्रह को जल्द अंतरिक्ष की कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित करेगा।

शी जिनपिंग की देश के लोगों को चेतावनी

रूस। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा है कि चीन अधिक जटिल और कठिन सुरक्षा चिंताओं का सामना कर रहा है। उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ बढ़ते तनाव के बीच नागरिकों को सबसे खराब स्थिति के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी थी। सरकारी शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि मंगलवार को राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग की बैठक की अध्यक्षता करने वाले शी ने कहा कि देश द्वारा सामना की जाने वाली राष्ट्रीय सुरक्षा समस्याओं की जटिलता और गंभीरता में नाटकीय रूप से वृद्धि हुई है।

राष्ट्रीय सुरक्षा मोर्चे को रणनीतिक आत्मविश्वास का निर्माण करना चाहिए, जीत हासिल करने के लिए पर्याप्त आत्मविश्वास होना चाहिए और अपनी ताकत और फायदे के बारे में गहराई से जागरूक होना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि हमें सबसे खराब स्थिति और चरम स्थितियों के लिए तैयार रहना चाहिए।

सैन्य निर्माण में इजाफा, सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा,एलएसी पर चीन की बड़ी साजिश

बीजिंग। एलएसी के पास चीन की बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है। एलएसी पर चीनी सेना ने तैयारी बढ़ दी है। हवाई क्षेत्र, हेलीपैड निर्माण भी तेजी से चल रहा है। ड्रोन से ली गई तस्वीरें मिसाइल ठिकानों, सड़कों, पुलों के निर्माण में तेजी देखने को मिल रही है। मई 2020 के मुकाबले चीन ने अपनी तैयारी और बढ़ा दी है। सैटेलाइट इमेज से चीन की साजिश का खुलासा हुआ है। तस्वीरें दिखाती हैं कि चीन ने सैनिकों को तेजी से तैनात करने और आक्रामक क्षमताओं का निर्माण करने के लिए बड़े पैमाने पर हवाई क्षेत्र, हेलीपैड, रेलवे सुविधाएं, मिसाइल बेस, सड़कों और पुलों का विस्तार किया है।

सैटेलाइट इमेज से ये पता चल रहा है कि ड्रैगन अपनी साजिशों के साथ आगे बढ़ रहा है। वहां पर सड़क का निर्माण और बाकी ऐसे कई काम है जिससे लगने लगा है कि मई 2020 के मुकाबले चीन ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। सैटेलाइट इमेज से ये

साफ पता चल रहा है कि मिसाइल ठिकाने, सड़क, पल सब कुछ तेजी से बन रहा है। कंस्ट्रक्शन की भी तस्वीरें सामने आई हैं।

होतान, न्गारी गुनसा और ल्हासा में प्लैनेट लैब्स द्वारा प्रदान की गई सैटेलाइट इमेज के विश्लेषण से पता चलता है कि चीनी पक्ष ने शायद नए रनवे का निर्माण करके इन सुविधाओं का विस्तार किया है और लड़ाकू जेट विमानों की सुरक्षा के लिए कठोर आश्रयों, और नए समर्थन और निर्माण का निर्माण किया है। इन तीन चीनी हवाई क्षेत्रों को विश्लेषण के लिए चुना गया था क्योंकि भारतीय पक्ष में रणनीतिक स्थिति के विपरीत उनके स्थान और भारत के साथ गतिरोध के बीच वर्तमान संचालन में उपयोग किया गया था।

गुरु नानक थाइलैंड गए थे, राहुल के बयान पर बीजेपी नेता ने कहा-बेवकूफी के नाम पर कितना कुछ माफ करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के सिख नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने राहुल गांधी के गुरु नानक थाईलैंड गए वाले बयान का विरोध करते

हुए पूछा कि कांग्रेस नेता को यह जानकारी कहां से मिली। सिरसा ने कहा कि आपकी मूर्खता के नाम पर हमें कितना क्षमा करते रहना चाहिए? आपने कहाँ पढ़ा कि गुरु नानक थाईलैंड गए थे? क्या यह अपेक्षा करना बहुत अधिक है कि जब धर्म की बात आती है तो आप एक समझदार बुद्धिमान व्यक्ति की तरह बात करना चाहिए।

राहुल गांधी अमेरिका में एक सभा में अपनी भारत जोड़ो यात्रा के बारे में बोल रहे थे, उन्होंने गुरु नानक और विनम्र होने की उनकी शिक्षाओं का उल्लेख किया। राहुल ने अमेरिका के सैन फ्रांसिसको में कहा था कि हम गुरु नानक जी की तुलना में कुछ भी नहीं चले। मैंने कहीं पढ़ा है कि गुरु नानक जी मक्का, सऊदी अरब गए थे, वे थाईलैंड गए थे, वे श्रीलंका गए थे। इसलिए, इन दिग्गजों ने हमसे पहले भारत जोड़ो किया था। राहुल गांधी ने कहा कि मैं कर्नाटक के अपने दोस्तों, बसवन्ना जी, केरल के अपने दोस्तों, नारायणगुरु जी के लिए भी यही कह सकता हूं। भारत के हर राज्य में ये दिग्गज हुए हैं ... आदि शंकराचार्य .. जिन्होंने कहा कि एक दूसरे को सुनो, सम्माननीय बनें।

बीजेपी प्रवक्ता आरपी सिंह ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि या तो दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देगी, जहां उन्होंने गुरु नानक की तुलना उनके भारत जोड़ो यात्रा से की है।

पुलिस ने रिजॉर्ट में छापा मारा 12 लोगों को गिरफ्तार किया

नागपुर। महाराष्ट्र में नागपुर जिले के उमरेड में पुलिस ने बुधवार सुबह एक रिजॉर्ट में छापा मारा और अवैध तरीके से शराब पीने तथा अश्लील ढंग से नाचने के आरोप में 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि नागपुर ग्रामीण पुलिस की स्थानीय अपराध शाखा ने यह अभियान चलाया, जिसमें 12 पुरुष आरोपियों के अलावा छह महिलाओं को भी पकड़ा गया है जो वहां नृत्य कर रही थीं।

साहिल खान की पुलिस कस्टडी कोर्ट ने बढ़ाई, साक्षी के पिता ने किए बड़े खुलासे

आप नेता आतिशी ने समाज पर खड़े किए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को उत्तर पश्चिमी दिल्ली के शाहबाद डेयरी में अपराध के दृश्य को फिर से रिक्रिएट किया, जहां 20 वर्षीय साहिल ने कथित तौर पर साक्षी नाम की 16 वर्षीय लड़की की हत्या कर दी थी। पुलिस ने पीड़िता के तीन दोस्तों के बयान भी दर्ज किए हैं। ताजा सीसीटीवी फुटेज सामने आया है जिसमें पीड़िता अपनी हत्या से कुछ मिनट पहले सड़क पर चलती दिख रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोपी के लिए मौत की सजा की मांग की है और आरोप लगाया है कि हत्या 'लव जिहाद' का नतीजा थी। इस बीच, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने मृतक के परिवार को 10 लाख रुपये की सहायता के लिए उपराज्यपाल वीके सक्सेना को मंजूरी देने के लिए फाइल भेज दी है।

दिल्ली के शाहबाद डेयरी

इलाके में साक्षी की उसके प्रेमी द्वारा नृशंस हत्या के मामले में पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी से पता चलता है कि साक्षी के पिता को उनके अफेयर के बारे में पता था। मृतका के पिता जनक राज ने प्राथमिकी में उल्लेख किया है, 'वह अक्सर उसके बारे में बात करती थी, और हम उसे सलाह देते थे कि उसकी उम्र में यह उचित नहीं है। हालांकि, वह हमेशा इसका विरोध करती थी और नाराज होकर अपनी सहेली नीतू के घर चली जाती थी।' पुलिस उपायुक्त (बाहरी उत्तर) रवि कुमार सिंह ने कहा कि पुलिस सभी पहलुओं पर गौर कर रही है क्योंकि पूछताछ जारी है। उन्होंने कहा, 'हम कड़ियों को जोड़ने के लिए सभी पहलुओं पर गौर कर रहे हैं। हम घटना में शामिल सभी व्यक्तियों की भूमिका का पता लगाने के लिए काम कर रहे हैं। हमारी टीमें अपराध में इस्तेमाल किए गए हथियार को बरामद करने की कोशिश कर रही हैं।'

दिल्ली की महिला एवं बाल विकास मंत्री आतिशी ने कहा कि शाहबाद डेयरी इलाके में किशोरी की हत्या ने समाज और देश के सामने गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं कि आखिर गलती कहां हुई। दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग (डीसीपीसीआर) के चौथे अंक 'चिल्ड्रन्स फर्स्ट जर्नल ऑन चिल्ड्रन लाइव्स' का विमोचन करते हुए आतिशी ने कहा कि पत्रिका बच्चों के लिए एक समान, न्यायपूर्ण और खुशहाल जगह बनाने के लिए एक अनुस्मारक है।

अमित शाह का एलान-सीबीआई की टीम भी करेगी जांच

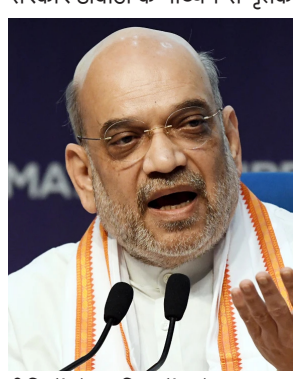

लखनऊ (एजेंसी)। मणिपुर हिंसा में हुई हिंसा पर अमित शाह ने कहा है कि केंद्र सरकार ने इन घटनाओं की जांच के लिए उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है। मणिपुर के राज्यपाल नागरिक समाज के सदस्यों के साथ एक शांति समिति का नेतृत्व करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आगे कहा कि पिछले 1 महीने में मणिपुर में कुछ हिंसक घटनाएं सामने आई हैं। मैं उन सभी परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने हिंसा में अपने प्रियजनों को खोया है। मैंने पिछले 3 दिनों में इंफाल, मोरेह और चुराचांदपुर सहित मणिपुर में कई जगहों का दौरा किया है और राज्य में शांति स्थापित करने के लिए अधिकारियों के साथ बैठकें की हैं। मैंने मेइती और कुकी समुदायों के सीएसओ से मुलाकात की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मणिपुर सरकार डीबीटी के माध्यम से मृतक

पीड़ितों के परिजनों को 5 लाख रुपये का मुआवजा प्रदान करेगी। केंद्र सरकार भी डीबीटी के माध्यम से मृतक पीड़ितों के परिजनों को 5 लाख रुपये का मुआवजा देगी। मणिपुर में हिंसा के पीड़ितों के लिए राहत उपाय होंगे। उन्होंने कहा कि मैं अपने दौरे के दौरान दोनों तरफ के लोगों से मिलता हूं। अस्थाई शिविरों का दौरा किया है... नागरिकों के प्रतिनिधि मंडल और कैबिनेट मंत्री के साथ भी मैं सीधा हूं। महिला प्रतिनिधियों और बुद्धिजीवियों के साथ भी शांति स्थापना के लिए चर्चा हुई है। 11 राजनीतिक दलों और नेताओं के साथ भी मैंने मीटिंग की है। मेरी सभी मणिबंध वासियों से अपील है कि कृपया अफवाओं पर ध्यान न दें और राज्य में शांति बनाए रखें, शांति के कारण विकास का एक युग छह साल से राज्य में चल रहा था। मैं एदध ग्रुप वालों को भी एक कड़ा संदेश देना चाहता हूं कि संधि का किसी भी प्रकार का उल्लंघन, किसी भी प्रकार का हुक्म होने पर सख्ती से संज्ञान लिया जाएगा और इसे संधि भंग करना माना जाएगा। समझौते के पालन करें। देरी की ज़ज़ी के लिए पुलिस कल से कॉम्बिंग ऑपरेशन भी चलेगा। अमित शाह ने कहा कि चिकित्सा व्यवस्था को बरकरार रखने के लिए 8 विशेष टीमों को नियुक्त किया गया है, कॉम्पिटिशन परीक्षाओं में कोई बाधा ना हो, इसके लिए शिक्षा मंत्रालय के उच्च अधिकारियों का दल यहां पहुंच गया है और दल राज्य के अधिकारियों से चर्चा कर एक पुख्ता योजना तैयार करेगा। इस योजना को हम दो दिन में पक्का रूप देंगे। एक राहत और पुनर्वास पैकेज भी तैयार किया गया है। हिंसा में जलने वाले लोगों के परिजनों के लिए 5 लाख रुपये सरकार केंद्र और 5 लाख रुपये मणि सरकार की तरफ से दिए जाएंगे।

ईडी ने कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव से पूछताछ की

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)ने धनशोधन के एक मामले में कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव से बुधवार को पूछताछ की। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी ने झारखंड में यादव से जुड़े करीब 12 स्थानों पर छापे मारे थे जो कि पांच बार के विधायक हैं। पूछताछ के बाद यादव ने कहा कि वह ईडी की कार्रवाई को लेकर जल्द ही अदालत का रुख करेंगे। उन्होंने दावा किया कि ईडी के अभी तक के छापों में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला है।

प्रदर्शनकारी पहलवानों के समर्थन में अलीगढ़ में राकेश टिकैत की महापंचायत, सुरक्षा चाक-चौबंद

नई दिल्ली। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश टिकैत गुरुवार को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के टप्पल थाना क्षेत्र में किसानों की महापंचायत को संबोधित कर रहे हैं।

भारतीय कुश्ती महासंघ (इघ) के अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह द्वारा महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के विरोध में पहलवानों के समर्थन में महापंचायत का आयोजन किया जा रहा है।महापंचायत को देखते हुए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। भारत के शीर्ष पहलवान, जिनमें विनेश फोगट, साक्षी मलिक और बजरंग पुनिया शामिल हैं, जनवरी में दिल्ली के प्रतिष्ठित जंतर मंतर पर भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए एकत्रित हुए। पहलवानों ने सिंह के खिलाफ गंभीर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए और डब्ल्यूएफआई प्रमुख के इस्तीफे और गिरफ्तारी की मांग की।

इस बीच, बृजभूषण सिंह, जो कैसरगंज से भाजपा सांसद भी हैं, ने महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आरोपों का खंडन किया और कहा कि अगर वह दोषी पाए गए तो वह खुद को फांसी लगाने के लिए तैयार होंगे। पहलवानों ने मांग की कि बृजभूषण सिंह को नार्को टेस्ट कराना चाहिए और डब्ल्यूएफआई प्रमुख इसके लिए सहमत हो गए। हालाँकि, उन्होंने एक शर्त रखी कि मल्लयोद्धाओं को भी यही परीक्षा देनी होगी।

आज का राशिफल

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। यदि आप किसी नए काम की शुरुआत करना चाहते हैं, तो उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी और आय के नए नए स्रोत प्राप्त होंगे। आपकी किसी नए काम की शुरुआत करने की आदत आपको समस्या दे सकते हैं, लेकिन आप किसी से उधार लेने से बचें। बिजनेस कर रहे लोगों को किसी के साझेदार बनाने से बचना होगा, नहीं तो वह उन्हें धोखा दे सकता है। आपका कोई मित्र आपसे लंबे समय बाद मेल मुलाकात करने आ सकता है।

वृषभ राशि: आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को कुछ अन्य लोगों से मेलजोल बढ़ाने का मौका मिलेगा और व्यापार में भी आपको कोई नया अनुबंध मिल सकता है, लेकिन आपके घर परिवार में आज किसी शुभ मांगलिक कार्यक्रम के होने से आप थोड़ा व्यस्त रहेंगे, लेकिन फिर भी आप अपने कामों के प्रति पूरी मेहनत व लगन से जुड़े रहेंगे। अविवाहित जातकों के लिए उत्तम विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं। माताजी की सेहत में गिरावट रहने के कारण आपका मन परेशान रहेगा।

मिथुन राशि: आज का दिन प्रेम जीवन जी रहे लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपको अपने किसी परिजन से बातचीत करते समय वाणी की मधुरता को बनाए रखना होगा और आप अपने कामों के प्रति गंभीरता से सोच विचार करें, नहीं तो आपको समस्या का सामना करना पड़ सकता है। यदि आपको कोई काम लंबे समय से रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है और विद्यार्थियों को यदि किसी प्रतियोगिता में भाग लिया, तो उसमें उन्हें सफलता अवश्य प्राप्त होगी, लेकिन आप किसी की कहीसुनी बातों में आकर कोई निर्णय न लें।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपको कार्यक्षेत्र में किसी भी योजना में धन लगाने से पीछे नहीं होना है और आप परिवार के सदस्यों के साथ किसी यात्रा पर जा सकते हैं, जो आपके लिए लाभदायक रहेगी, लेकिन यदि आपकी कोई वस्तु खो गई थी, तो वह आपको प्राप्त हो सकती है। भाई या बहन की ओर से आपको कोई शुभ सूचना सुनने को मिल सकती है। आपका कोई मित्र आपसे किसी निवेश संबंधी योजना को लेकर बातचीत कर सकता है।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है और पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। परिवार में आपको सभी सदस्यों के बीच तालमेल बनाकर रखना होगा, जिसके लिए आपको कुछ बातों को नजरअंदाज भी करना होगा। आपके किसी भाई या बहन के सहयोग से आपका कोई काम पूरा हो सकता है। यदि आप धन संबंधित समस्याओं को लेकर परेशान चल रहे हैं, तो उसमें भी आपका कोई मित्र आपकी मदद कर सकता है, लेकिन किसी संपत्ति संबंधित विवाद में आपको कुछ समस्या आ सकती है।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए तरक्की लेकर आने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपके पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। अधिकारी भी आपके कामों से प्रसन्न रहेंगे। जीवनसाथी के करियर में आपको अच्छा उछाल देखने को मिलेगा और व्यापार कर रहे लोग अपने काम को लेकर छोटी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं, जो आपके लिए लाभदायक रहेगी। आप किसी को बिना मांगे सलाह देने से बचें, नहीं तो बाद में समस्या हो सकती है और कुछ महिला मित्रों से आप सावधानी बरतें, नहीं तो वह आपकी चुगली गा सकते हैं।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए सेहत के लिहाज से नरम गरम रहने वाला है और आपका कोई मित्र आपसे लंबे समय बाद मेल मुलाकात करने आ सकता है और परिवार में किसी सदस्य के विवाह प्रस्ताव पर मुहर लगने से माहौल खुशनुमा रहेगा, लेकिन आप किसी से कोई वादा या वचन ना भरें, नहीं तो उसे पूरा करने में आपको समस्या होगी। कार्य क्षेत्र में आपको एक से अधिक स्रोतों से आय प्राप्त होने से खुशी होगी। किसी परिवार के किसी सदस्य को कार्यक्षेत्र में कोई सम्मान मिल सकता है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को आज कोई शुभ सूचना सुनने को मिल सकती है।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए समस्याओं भरा रहने वाला है। आप अपनी आय और व्यय दोनों में संतुलन बनाकर रखेंगे, तो आपके लिए बेहतर रहेगा और जीवनसाथी के साथ मिलकर आप संतान के भविष्य के कुछ योजनाओं को लेकर बातचीत कर सकते हैं। परिवार में किसी सदस्य की कोई बात आपको बुरी लग सकती है। आप अपनी जिम्मेदारियों को अनदेखा ना करें, नहीं तो माता-पिता आपसे नाराज हो सकते हैं और आपको संतान की शिक्षा को लेकर यदि कुछ समस्याएं आ रही थी, तो वह भी आज दूर होंगी।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। यदि ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति को आपने धन उधार दिया था, तो आज वह आपको वापस कर सकते हैं, लेकिन अपनी कुछ जरूरत की चीजों पर अच्छा खासा धन व्यय करेंगे और नौकरी में कार्यरत लोग अपने किसी काम को किसी दूसरे के भरोसे ना छोड़े, नहीं तो बाद में आपको समस्या हो सकती है और आपका कोई परिवार का सदस्य घर से दूर नौकरी के लिए जा सकता है।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए अत्यधिक मेहनत भरा रहेगा और आपके पारिवारिक वातावरण में यदि कुछ समस्याएं चल रही थी, तो उनसे भी आपको काफी राहत मिलेगी और माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। आपको अपनी सेहत के प्रति सचेत रहना होगा। यदि कोई समस्या हो, तो उसे नजरअंदाज ना करें और आप अपने किसी मित्र से आज बिजनेस संबंधी कुछ योजनाओं को लेकर बातचीत कर सकते हैं। आप कोई जरूरी जानकारी लीक ना होने दे, नहीं तो आपका कोई विरोधी इसका फायदा उठा सकता है।

कुंभ राशि: आज का दिन किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहेगा। जो लोग विदेश में जाकर व्यापार करना चाहते हैं, उन्हें कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्त होंगे और आपकी आर्थिक स्थिति

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपको अपने कारोबार के कामों में सावधानी बरतते हुए आगे बढ़ना होगा और पारिवारिक जीवन में चल रही समस्याओं से आपकी निजात मिलेगी। आपके पास अत्यधिक काम होने के कारण आपको सिर दर्द, थकान, बदन दर्द आदि जैसी समस्या परेशान कर सकती है। आप परिवार में छोटे बच्चों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे और आपको अपने खर्चों के साथ-साथ बचत की योजनाओं पर भी ध्यान देना होगा, तभी आप भविष्य के लिए कुछ धन संचय करने में कामयाब रहे रहेंगे।

भारतीय फ़िल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री नन्दा

हिन्दी और मराठी फ़िल्मों में विशेष रूप से कार्य किया। अपने समय की ख़ूबसूरत अभिनेत्रियों में नन्दा का नाम भी लिया जाता है। चेहरे पर भोलापन, बड़ी-बड़ी आँखें, गुलाबी होंठ, ये सब नन्दा की विशेषताएँ थीं। 60 और 70 के दशक की इस सुन्दर और मासूम अदाकारा ने अपने फ़िल्मी सफ़र की शुरूआत एक बाल कलाकार के रूप में की थी। बाद में वे सफल नायिका बनीं और फिर चरित्र अभिनेत्री। अपने संवेदनशील अभिनय से उन्होंने कई फ़िल्मों में अपनी भूमिकाओं को बखूबी जीवंत किया। नन्दा का जन्म महाराष्ट्र के कोल्हापुर में हुआ था। इनके पिता का नाम विनायक दामोदर था, जो मराठी फ़िल्मों के एक सफल अभिनेता और निर्देशक थे। विनायक दामोदर मास्टर विनायक के नाम से अधिक प्रसिद्ध थे। नन्दा अपने घर में सात भाई-बहनों में सबसे छोटी थीं। उनको अपने पिता का प्यार अधिक समय तक नहीं मिल सका। उनकी बाल्यावस्था में ही पिता का देहांत हो गया था। इसके बाद नन्दा के परिवार ने बड़ा कठिन समय व्यतीत किया। नृत्य और अभिनय का शौक़ नन्दा को बचपन से ही था। जब वे मात्र छः साल की थीं, तभी उनके पिता ने उन्हें अपनी मराठी फ़िल्म में काम करने को कहा था। पहले तो नन्दा ने इनकार कर दिया, लेकिन बाद में माँ के समझाने पर वे राजी हो गईं। इस प्रकार नन्दा ने अपने फ़िल्मी सफ़र की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में की। उन्होंने सबसे पहले वर्ष 1948 में आई फ़िल्म मन्दिर में बतौर बाल कलाकार के रूप में काम किया। पिता की मृत्यु के बाद इनके घर की माली हालत काफ़ी खराब हो गई और नन्दा को अपने भाई-बहनों के साथ इनके चाचा के पास भेज दिया गया। इनके चाचा हिन्दी और मराठी फ़िल्मों के सुप्रसिद्ध फ़िल्मकार वी। शांताराम थे। उनके घर जाना भी एक अच्छा शगुन था। इनके चाचा ने नन्दा को प्रेरित किया और इस योग्य बनाया कि वे घर के हालात को संभाल सकें। उन्होंने ही पहली बार नन्दा को एक अच्छी और बड़ी भूमिका अपनी फ़िल्म तूफान और दीयाक में दी और शानदार ढंग से परदे पर पेश किया। यह फ़िल्म बेहद सफल रही। तूफान और दीया की सफलता से नन्दा भारतीय सिनेमा में नायिका के रूप में प्रतिष्ठित हो गईं। इस फ़िल्म में काम करने और इसकी सफलता की जहाँ नन्दा की बेहद खुशी थी, वहीं इस बात का दुख भी था कि फ़िल्म के प्रदर्शन से पहले ही पिता का देहांत हो गया था। अभिनेत्री नन्दा ने अपने समय के मशहूर अभिनेता शशि कपूर के साथ कई यादगार फ़िल्मों में काम किया है। फ़िल्मों में लगातार असफल होने के बावजूद नन्दा का विश्वास शशि कपूर में बना रहा। आखिर में सूरज प्रकाश निर्देशित फ़िल्म जब-जब फूल खिलेक वर्ष 1965 में प्रदर्शित हुई। इस फ़िल्म का एक गीत था- एक था गुल और एक थी बुलबुलक के द्वारा कही गई रोमांटिक कहानी ने सिल्वर गोल्डन जुबली मनाई। शशि कपूर और नन्दा की सफल जोड़ी बाद में भी कई फ़िल्मों में दोहराई गई। अपने बेजोड़ अभिनय के दम पर दिलों पर राज करने वाली गुज़रे जमाने की मशहूर अभिनेत्री नन्दा का 25 मार्च, 2014 मंगलवार को सुबह निधन हो गया। वह 75 साल की थीं। वर्ष 1939 में मराठी फ़िल्मों के प्रसिद्ध अभिनेता एवं निर्देशक विनायक दामोदर कर्नाटकी के घर पैदा हुई नंदा ने एक बाल कलाकार के रूप में अपने अभिनय जीवन की शुरुआत की थी। पिता की असमय मौत के कारण उन्होंने बहुत कम उम्र से अपने परिवार के पालन पोषण की जिम्मेदारी उठा ली थी। नंदा ने मात्र नौ साल की उम्र में बाल कलाकार के रूप में फ़िल्म मंदिर के जरिये फ़िल्मी दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने जग्गू, अंगारे, जागृति जैसी फ़िल्मों में बतौर बाल कलाकार काम किया। नंदा अविवाहित थीं। कई बार उन्हें शादी के प्रस्ताव मिलते रहे लेकिन हर बार किसी किसी न किसी बहाने से उन्होंने शादी नहीं की। इसके बाद 1992 में अपने साथियों के कहने पर उन्होंने फ़िल्म निर्माता मनमोहन देसाई से सगाई की लेकिन दुर्भाग्य से शादी से पहले ही मनमोहन देसाई छत से नीचे गिर गए और उनकी मौत हो गयी।

जीके की किताब में बच्चों से पूछा गया सवाल-कटरीना कैफ, अजय देवगन के असली नाम क्या है?

नई दिल्ली। तेलंगाना राज्य के एक स्कूल में बच्चों के परिवारवालों ने बवाल कर दिया हैं। बवाल का कारण है बॉलीवुड के कुछ सितारें। दरअसल तेलंगाना के एक सीबीएसई स्कूल में समान्य ज्ञान की किताब में अक्षय कुमार, अजय देवगन सहित कई बॉलीवुड सितारों के असली नाम पूछे गये हैं। इस सितारों के असल नाम और बच्चों की पढ़ाई का क्या लेना-देना है इसे लेकर बच्चों के परिवारवालों ने स्कूल के प्रशासन पर सवाल उठाए हैं।स्कूल के कक्षा 7 की समान्य ज्ञान की किताब में अक्षय कुमार, अजय देवगन, कैटरीना कैफ, दिलीप कुमार, रजनीकांत, रेखा, तबू, टाइगर श्राफ और गोविंदा के नाम लिखे थे और साथ ही तस्वीरे भी किताब में छपी हुई थी। इसके आगे इन बॉलीवुड सेलेब्स के असली नाम लिखने थे। बच्चों को नाम मैच करने में आसानी हो इसके लिए किताब में हिंट भी दिए गये थे। अब इस तरह बॉलीवुड सेलेब्स के बारे में बच्चों को डिटेल में ज्ञान देना परिवार को पसंद नहीं आया और उन्होंने बवाल काट दिया। बच्चों के परिवारवालों का कहना है कि आखिर किस तरह से अथॉरिटीज़ ने भी इस किताब को अप्रूव किया है। पारिवारवालों के सवाल उठाने के बाद शिक्षा विभाग ने इस चीज की जांच के आदेश दे दिए हैं कि आखिर ये चूक कैसे हुई।

पिता के कपड़ों को गले लगाकर इमोशलन हुए रितेश देशमुख

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेता रितेश देशमुख महाराष्ट्रा का जाना-माना नाम हैं। रितेश ने अपनी बॉहचान बॉलीवुड में बनाई। वह एक शानदार एक्टर हैं। रितेश के पिता,महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख थे। किडनी की बीमारी के कारण विलासराव देशमुख का 14 अगस्त 2012 का निधन हो गया था। विलासराव महाराष्ट्र में कांग्रेस पार्टी के बड़े पिलर कड़े जाते थे। आज यानी की 26 मई को विलासराव जी का 75वां जन्मदिन हैं। उनके जन्मदिन पर विलासराव का पूरा परिवार उन्हें याद कर रहा हैं। विलासराव देशमुख के बेटे रितेश देशमुख ने सोशल मीडिया पर अपने पिता को याद करते हुए एक बेहद इमोशनल वीडियो शेयर किया हैं। रितेश के इस वीडियो को देखकर उनके फैंस भी काफी इमोशल हो गये हैं। रितेश देशमुख ने पिता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख की याद में एक दिल को छू लेने वाला वीडियो साझा किया। वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए रितेश ने लिखा, 'हैप्पी बर्थडे पापा ..... मिस यू रोज इस वीडियो में रितेश ने अपने पिता के पहने हुए कपड़े (कुर्ता, पजामा और नेहरू जैकेट) को एक हैंगर में लगा रखा हैं। पिता के कपड़ो को रितेश लगे लगाते हैं और उनके कुर्ते की बाजू में अपना हाथ डाल कर कुछ को सहलाते है और कपड़े को गले लगाए रहते हैं। ये वीडियो काफी इमोशनल हैं। रितेश देशमुख के सिनेमा इंडस्ट्री के दोस्तों ने इस वीडियो पर कमेंट किया हैं। अभिषेक बच्चन ने हाथ जोड़ने वाली इमोजी बनाकर प्रार्थना की, एक दिल और एक हग इमोजी भी बनाई। आफताब शिवदासानी ने लिखा, 'इतना प्यारा भाई, भगवान उनका अपने परिवार को आशीर्वाद दे। रितेश के भाई धीरज ने भी टिप्पणी की, 'मिस यू पप्पा।' उनकी पतनी दीपशिखा ने भी लिखा, 'मिस यू पापा।' रितेश ट्विटर पर अपने पिता के कई सहयोगियों और उद्योग मित्रों के संदेशों से भी भरे हुए थे। क्रिकेटर हरभजन सिंह ने उन्हें लिखा, 'वह हर पल आपके साथ हैं भाई।' अभिनेता से राजनेता बने शत्रुघन सिन्हा ने लिखा, 'महाराष्ट्र के दो बार के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, और हमारे बहुत प्रिय मित्र, स्वर्गीय और महान क्ष्न्न्ँदअेप्ल्व को उनकी जयंती पर प्रार्थना और श्रद्धांजलि।' वह मिट्टी के एक सच्चे पुत्र और एक सक्षम प्रशासक थे, जिन्होंने कई विभागों को प्रभावी ढंग से रखा। रितेश ने उनके जवाब में ट्वीट किया, 'सबसे प्रिय महोदय,ॅ शत्रुघनसिंह आपके शब्दों का हमारे लिए बहुत मतलब है।

अजय देवगन नहीं होते तो काजोल शाहरुख खान से कर लेती शादी? एक्ट्रेस ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली। बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान और काजोल की बॉडिंग के बारे में हम सब जानते हैं कि दोनों की ऑन स्क्रिन और ऑफ स्क्रिन जोड़ी हिट रही हैं। काजोल ने हमेशा शाहरुख खान को अपने अच्छा दोस्त कहा है। वहीं दोनों की जोड़ी को दर्शक दोस्ती से ज्यादा पसंद करते थे। 90 के दशक में जब दोनों की एक के बाद एक हिट फिल्में आ रही थी तो आधे से ज्यादा लोगों को लगता था कि काजोल और शाहरुख कपल हैं। दोनों की पॉपुलैरिटी इतनी ज्यादा था कि इसकी वजह से अजय देवगन को भी समस्या होने लगी थी। अजय देवगन और काजोल ने 1999 में शादी कर ली थी। शादी के बाद भी अजय से ज्यादा लोग शाहरुख को काजोल के साथ पंसद करते थे। ये बात अजय को पसंद नहीं आ रही थी। इस लिए 2010 में माइ नेम इज खान के बाद काजोल और शाहरुख ने साथ काम नहीं किया था। लंबे समय बाद ये जोड़ी 2015 में रोहित शेट्टी की फिल्म दिलवाले से एक बार फिर लौटी। दोनों को साथ में देख कर फैंस एक बार फिर खुश हो गये।

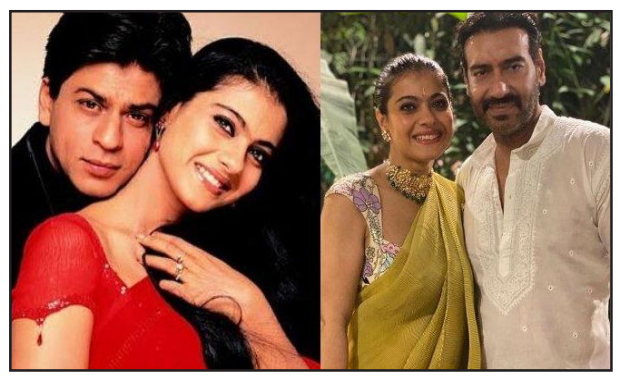

हाल ही में सोशल मीडिया पर काजोल के साथ एक सेशन चल रहा था जिसमें काजोल फैंस की तरफ से पूछे गये सवालों का जवाब दे रही थी। फैंस काजोल से उनकी निजी

जिंदगी से जुड़े सवाल भी पूछ रहे थे। एक फैन से काजोल से एक ऐसा सवाल पूछा जिसका जवाब शायद काजोल का हर फैन जानना चाहता होगा। फैन से कजोल से पूछा कि अगर आप अजय देवगन से शादी न करती तो क्या शाहरुख खान से करती?

काजोल को तो आप जानते ही है वह हमेशा बिना किसी चीज की परवाह किए सवालों के जवाब देती हैं। काजोल ने फैन के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि 'क्या उस आदमी (शाहरुख) को प्रपोज नहीं करना चाहिए'। अब काजोल ने साफ तौर पर कह दिया कि शाहरुख जैसी हस्ती के साथ कौन नहीं रहना पसंद करेगा और सवाल को वापस फैन के पास ही मोड़ दिया। काजोल के इस रिप्लाई को लोगों ने काफी पसंद किया। आपको बता दे कि शाहरुखा खान और काजोल ने साथ कुछ-कुछ होता है, कभी खुशी कभी गम, माइ नेम इज खान, दिल वाले दुल्हनियां ले जाएंगे, बाजीगर, करण अर्जुन जैसी कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। हाल ही में काजोल अजय देवगन के साथ फिल्म तानाजी में सावित्रीबाई के किरदार में नजर आयी थी। फिल्म में भी काजोल ने अजय देवगन यानी की तानाजी की पतनी का किरदार निभाया था।

इस क्रिकेटर के प्यार में पागल थी माधुरी दीक्षित मैच फिक्सिंग में नाम आने के बाद किया था ब्रेकअप

मुम्बई। 1984 में जब फिल्म अबोध से माधुरी दीक्षित ने बॉलीवुड में एंट्री की तो श्रीदेवी जैसी स्टार को भी डर लग गया था। माधुरी ने अपनी दिलकश अदाओं से बहुत जल्द लोगों के दिल पर राज करना शुरू कर दिया। जहां माधुरी अपनी अदाकारी से लोगों के दिल में राज कर रही थी वहीं दूसरी तरफ उनका डांस भी काफी फेमस हो रहा था। कहते है कि माधुरी इतनी जबरदस्त डांसर थी कि वह एक बार किया हुआ स्टेप दुबारा नहीं करती थी। मनोरंजन वाले गानों में डांस के अलावा जब माधुरी से धक-धक गाने पर हॉट डांस किया तो वह उन्हें डांस के दूसरे स्तर पर ले गया।

80 और 90 के दशक में चारों तरफ केवल माधुरी ही माधुरी हुआ करती थी। वहीं क्रिकेट की दुनिया की बात करें तो उस दौरान अजय जडेजा का ही बल्ला चला करता था। सिमेना में माधुरी और क्रिकेट में अजय जडेजा की काफी चर्चा हो रही थी। इस लिए एक मैगजीन ने दोनों को साथ लेकर फोटोशूट का प्लान बनाया। अजय जडेजा को माधुरी के साथ फोटोशूट के लिए अप्रोच किया गया। अपनी-अपनी फिल्ड के दो सितारे एक मैगजीन के कवर पेज पर आये तो लोगों को लगा कि ये जोड़ी तो साथ रहने के लिए बनीं हैं। लोगों ने अजय जडेजा और माधुरी की जोड़ी को खूब पसंद किया। उस साल मैगजीन की रिकॉर्ड तोड़ सेल हुई।

अजय जडेजा और माधुरी के बीच भी नजदीकियां बढ़ रहीं थी। दोनों के डेटिंग की खबरे आ रही थी। कहा जाता है कि दोनों ने लंबे समय तक एक दूसरे को डेट किया। फिर एक ऐसा दौर आया कि अजय जडेजा के लिए माधुरी ने एक निर्माता से बात की फिल्म में रोल को लेकर। निर्माता ने अजय जडेजा के साथ काम करने के लिए हां कर दी। अब अजय जडेजा की फिल्मों में एंट्री हो चुकी थी। फिल्मी दुनिया में एंट्री करते ही जडेजा का बल्ला चलना बंद हो गया। क्रिकेट में वह पिछड़ रहे थे। काफी मैच में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन नहीं दिखाया। 1999 में अजय जडेजा का नाम मैच फिक्सिंग से जुड़ा। जांच के बाद वह दोषी पाए गये। इसके साथ ही उनका क्रिकेट का करियर भी खत्म हो गया। माधुरी ने भी किसी विवाद में पड़ने से पहले ही अजय जडेजा से अपने सारे रिश्ते खत्म कर लिए। कुछ समय बाद माधुरी की जिंदगी में श्रीराम माधव नेने आये और माधुरी ने ज्यादा वक्त लगाए 1999 में उनसे शादी कर ली।

सिंगर को पहली परफॉर्मेंस के लिए मिले थे 51 रुपए, गजलों के लिए हैं फेमस

नई दिल्ली। सिंगर पंकज उधास गजलो की दुनिया के ऐसे गायक है जिन्होंने अपनी गायकी से कई लोगों को अपना दीवाना बनाया है। पंकज आज अपना 67वां जन्मदिन मना रहे हैं। उनका जन्म 17 मई 1951 को गुजरात के जीतपूर में हुआ था। पंकज ने कई सारी गजलें गाई हैं और उनके दो भाई मनहर उधास और निर्मल उधास भी गायक थे। हालांकि, अब वह कम गाने गाते हैं और सामान्य जीवन जीना पसंद करते हैं। पंकज को बचपन से ही संगीत से खास लगाव था और यहां जानें उनके बारे में कुछ खास और दिलचस्प बातें। पंकज ने महज 7 साल की उम्र से ही गायकी शुरू कर दी थी। उस वक्त वह सिर्फ शौकिया तौर पर गाने गाया करते थे लेकिन उनके इस टैलेंट को उनके भाई ने पहचान लिया और उन्हें इसी में करियर बनाने के लिए कहा। वह अक्सर अपने बड़े भाई के साथ संगीत कार्यक्रमो में जाया करते थे और इस दौरान उन्हें एक कार्यक्रम में गाने का मौका मिला। इस कार्यक्रम में उन्होंने ऐ मेरे वतन के लोगों गीत गाया था। पंकज के इस गाने को एक शख्स ने काफी पसंद किया था और उन्हें 51 रुपए दिए थे। यह पंकज की पहली कमाई थी। उन्होंने 'चुपके चुपके रात दिन। 'कुछ न कहो, कुछ भी न कहो 'चिट्ठी आई है।'घूंघट को मत खोल', 'कि गोरी घूंघरू टूट गये', ' 'वो बन संवर कर', 'पीने वालों सुनो', 'दिल देता है रो रो दुहाई', 'दिल जब से टूट गया' और 'न कजरें की धार न मोतियों के हार' जैसे कई गजले गाई हैं और यह आज भी लोगों की जुबान पर मौजूद हैं।

एक ही दिन में कान फिल्म फेस्टिवल से वापस लौंटी ऐश्वर्या राय बच्चन, क्या कुछ गलत हो गया?

मुम्बई। ऐश्वर्या राय बच्चन को कान्स क्वीन कहा जाता है क्योंकि वह वर्षों से फ्रेंच रिवेरा पर राज कर रही हैं। इस साल भी उन्होंने एक सिल्वर और ब्लैक ओवर-हेड गाउन पहना था, और उनके प्रशंसक मंत्रमुग्ध कर देने वाली सुंदरता को देखकर पिघल गये। वह एक्ट्रेस के दूसरे दिन के लुक को देखने का इंतजार कर रहे थे। लेकिन सभी को आश्चर्य हुआ

कि ऐश मुंबई वापस आ गई। रेड कार्पेट पर केवल एक दिन ही दिखाई दी, और कई लोग सोच रहे हैं कि क्या कुछ गलत हुआ है जो एश्वर्या वापस आ गयी है। पिछले कुछ वर्षों में यह पहली बार है जब ऐश एक दिन में लौटीं और कान 2023 में दूसरी बार उपस्थित नहीं हुईं। ऐश्वर्या को उनकी बेटी के साथ हवाई अड्डे पर देखा गया, जिन्होंने खुशी-खुशी पपराज़ी को उनकी उपस्थिति के लिए बधाई दी, और माँ और बेटी की जोड़ी के इस वापसी वीडियो के ऑनलाइन सामने आने के बाद नेटिज़न्स अपनी राय देने के लिए कूद पड़े। वे यह देखकर चकित रह जाते हैं कि यह पहली बार है जब ऐश ने आराध्या का हाथ नहीं पकड़ा है। अक्सर ऐश को एक ओवरप्रोटेक्टिव मां होने के लिए बेरहमी से ट्रोल किया जाता है।

अपनी मां की यह बात सुनकर आंसू नहीं रोक पाये थे रणवीर, फफक-फफक कर रोने लगे!

मुम्बई। बॉलीवुड के सुपरस्टार एक्टर रणवीर सिंह ने लंबे संघर्क के बाद आज इंडस्ट्री में ऐसा नाम बनाया है कि दर्शक सिर्फ उनका नाम सुनकर भी फिल्म देखने चले जाते हैं। रणबीर ने ये मुकाम अपने जानदार अभिनय के दम पर हासिल किया है। रणवीर सिंह को पर्दे पर हमेशा किरदार में डूबा हुआ और निजी जीवन में हमेशा खुश देखा गया है। रणवीर हमेशा मस्ती-मजाक करते ही दिखाई देते हैं। उनका इमोशनल साइड भी है ये किसी को पता नहीं था। हाल ही में सोशल मीडिया पर रणवीर सिंह का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें रणवीर की रोते हुए दिखाई दे रहे हैं।

दरअसल जब रणवीर सिंह हिट होने लगे थे और धीरे-धीरे सुपरस्टार की केटेगरी में जाने लगे थे तो सेमी ग्रेवाल के टॉक शो मे बतौर गेस्ट गये थे। सेमी के शो में रणवीर सिंह ने अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी बाते भी बताई। इसके अलावा सेमी के शो के दौरान रणवीर सिंह को उसकी मां का एक वीडियो भी दिखाया गया जिसमें वह रणवीर के संघर्ष के दिनों की बात कर रही हैं। मां ने इस वीडियो के दौरान कुछ ऐसा कह दिया जिसे सुनकर रणवीर सिंह अपने आंसू नहीं रोक सकें। मां ने वीडियो में कहा कि जब रणवीर फिल्मों में काम करने के लिए संघर्ष कर रहा था तब वह बाहर से जब घर आता तो कहता कि मां आज का दिन खराब था। उदास चेहरा देखकर समझ जाती थी लेकिल रणवीर ने कभी हम परेशान न हो इसके लिए कभी कुछ नहीं बताया। वह हमेशा अपने संघर्ष को अपने तक

रखता था। लेकिन अब जब रणवीर सक्सेसफुल हो गया है तब वो हम सबको अपने पुराने दिनों की कहानियां बताता है कि उसे क्या-क्या झेलना पड़ा, कैसे-कैसे कमेंट सुनने पड़े। उसने हमें अपने सारे दर्दों से दूर रखा. अब उसकी कहानी सुनने पर एहसास होता है कि वो इतनी ऊंचाइयों पर कितने संघर्षों से पहुंचा है।

मां की इस बात से रणवीर रोने लगे और अपने आंसू नहीं रोक सके। रणवीर को हमेशा मस्ती-मजाक करता देखने वाली शो की एंकर सहित हर कोई हैरान था कि रणवीर का इमोशनल साइड भी हैं। जिसे हमने आज तक नहीं देखा था।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।